



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-07052025-262944  
CG-DL-E-07052025-262944

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 132]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 6, 2025/ वैशाख 16, 1947

No. 132]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 6, 2025/ VAISAKHA 16, 1947

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग )  
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)  
अंतिम निष्कर्ष  
नई दिल्ली, 6 मई 2025  
मामला सं. एडीडी-एडी(एसएसआर)-04/2024

विषय: चीन जन.गण., मलेशिया और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "ब्लैक टोनर चूर्ण स्वरूप में" के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा।

फा.सं. 7/12/2024-डीजीटीआर.— समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां आगे "अधिनियम" कहा गया है) और उसकी समय समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित सामानों की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा धति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे यहां "पाटनरोधी नियमावली" कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे "प्राधिकारी" कहा गया है) को चीन जन.गण., मलेशिया और ताइवान (जिन्हें आगे "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "चूर्ण स्वरूप में ब्लैक टोनर" अथवा "विचाराधीन उत्पाद" अथवा "पीयूसी" के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा शुरू करने की मांग करते हुए मेसर्स प्योर टोनर्स

एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स इंडियन टोनर्स एंड डेवलपर्स लिमिटेड (जिन्हें आगे “आवेदक” अथवा “घरेलू उद्योग” कहा गया है) से एक आवेदन-पत्र प्राप्त हुआ।

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में मूल जांच प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना संख्या 6/6/2020-डीजीटीआर दिनांक 10 फरवरी, 2020 के तहत शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने अधिसूचना संख्या 6/6/2020-डीजीटीआर दिनांक 18 जून, 2020 के तहत प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए, जिसमें संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी। अनंतिम पाटनरोधी शुल्क वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 2020 की अधिसूचना संख्या 22/2020- सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था।
2. इसके बाद, प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना संख्या 6/6/2020-डीजीटीआर, दिनांक 28 जनवरी, 2021 के माध्यम से अंतिम जांच परिणाम जारी किए गए थे, जिसमें संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी। यह पाटनरोधी शुल्क अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख 10 अगस्त, 2020 दिनांक दिनांक 05 मार्च, 2021 की अधिसूचना संख्या 12/2021- सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था।
3. विधिवत प्रमाणित आवेदन-पत्र के आधार पर, तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर, स्वयं को संतुष्ट करते हुए, जो पाटन और क्षति के जारी रहने/बार बार होने की संभावना को सिद्ध करते हुए और नियमावली के नियम 23(1ख) के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के संबंध में लागू शुल्क लगाया जाना जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने अथवा बार बार होने और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है, 30.09.2024 को जांच शुरू की।

**ख. प्रक्रिया**

4. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
  - क. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से की कार्यवाही से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
  - ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30.09.2024 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
  - ग. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों तथा आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी तथा उनसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचार देने का अनुरोध किया।
  - घ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदक द्वारा दायर आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों तथा भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई।
  - ड. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों के निर्यातिकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातिकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति उनके देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों के नाम और पते के साथ उन्हें भी भेजी गई।
  - च. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों को निर्यातिक प्रश्नावली भेजी:
    - i. हुबेर्झ फार ईस्ट, चीन जन.गण.
    - ii. वुहान प्वाइंट रोल, चीन जन.गण.
    - iii. हान्डान हंगगुआंग, चीन जन.गण.
    - iv. वुक्सी जियातिएंग, चीन जन.गण.

- v. डिंगलोंग, चीन जन.गण.
- vi. नानजिंग तेशिन, चीन जन.गण.
- vii. कोमेट, ची जन.गण.
- viii. वुहान टेकविन टोनर एंड डेवलपर लिमिटेड, चीन जन.गण.
- ix. जादी, मलेशिया
- x. टीटीआई, ताइवान
- छ. संबद्ध देशों के जिन उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अथवा जांच में सहयोग नहीं किया है, उन्हें जांच में असहयोगी माना गया है।
- ज. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाते हुए आयातक प्रश्नावली भेजी:
- वेदिका कंप्यूटर प्राइवेट लिमिटेड
  - डाटालिंक इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन
  - अतुल ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड
  - कार्ट्रिजवाला.कॉम
  - कॉफीट्रॉन टेक्नोलॉजी
  - इंद्रायणी सेल्स प्राइवेट लिमिटेड
  - बेस्ट मेगा इंटरनेशनल
  - सुमंगलम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
  - रैंक ऑफिस ऑटोमेशन पी लिमिटेड
  - इमेज स्टार प्रिंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
- झ. प्राधिकारी ने अनुरोध किए जाने पर संबंधित प्रश्नावली के उत्तर दाखिल करने के लिए 17 नवंबर 2024 तक का समय बढ़ाया जाना स्वीकृत किया।
- अ. इसके उत्तर में, संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया:  
चीन जन.गण.
- एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड
  - हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड
- ताइवान
- ट्रेंड टोन इमेजिन इंक.
- ट. उत्तर में, केवल इंडिगो प्रिंट्स स्मार्ट प्राइवेट लिमिटेड ने आयातक की प्रश्नावली प्रतिक्रिया/कानूनी प्रस्तुतियाँ दायर कीं। निर्यातकों, विदेशी उत्पादकों और अन्य इच्छुक पार्टियों जिन्होंने इस जांच का जवाब नहीं दिया है या प्रासंगिक जानकारी की आपूर्ति नहीं की है, को गैर-सहयोगी इच्छुक पार्टियों के रूप में माना गया है।
- ठ. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों की सूची डीजीटीआर वेबसाइट पर अपलोड की गई और उनसे अनुरोध किया गया कि वे अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को ईमेल करें।
- ड. डीजी सिस्टम से पिछले तीन वर्षों के दौरान संबद्ध सामानों के आयातों का लेन-देन-वार ब्यौरा तथा जांच की अवधि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गया। प्राधिकारी ने लेन-देनों की उचित जांच के बाद आयातों की मात्रा के परिकलन और उसके विश्लेषण के लिए डीजी सिस्टम के आंकड़ों पर विश्वास किया है।

- द. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और निर्माण तथा बिक्री लागत के आधार पर किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- ण. वर्तमान पाटनरोधी जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 (12 महीने) तक है। क्षति जांच अवधि को अप्रैल 2020 - मार्च 2021, अप्रैल 2021- मार्च 2022, अप्रैल 2022 - मार्च 2023 और जांच की अवधि माना गया है।
- त. जांच प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की परिशुद्धता, जो इस प्रकटन विवरण का आधार बनती है, की यथासम्भव सटीकता के संबंध में स्वयं को संतुष्ट किया और संगत, व्यावहारिक और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ा दस्तावेजों का सत्यापन किया।
- थ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर देने का निर्देश दिया गया था।
- द. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 18 फरवरी, 2025 को आयोजित मौखिक सुनवाई के माध्यम से मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पंजीकृत हितबद्ध पक्षकारों को लिखित अनुरोध दाखिल करने और उसके बाद प्रत्युत्तर (यदि कोई हो) दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया।
- ध. इस जांच में आवश्यक तथ्यों वाला एक प्रकटीकरण विवरण इच्छुक पार्टियों को 22.04.2025 को जारी किया गया था और इच्छुक पार्टियों को उसी पर टिप्पणी करने के लिए 29.04.2025 तक का समय दिया गया था। इच्छुक पाटियों से प्राप्त प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों पर इस अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना में संगत पाए जाने की सीमा तक विचार किया गया है।
- न. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना को सत्यापित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा डेस्क सत्यापन किया गया। जहां भी लागू था, वहां आवश्यकत संशोधन के साथ उस सत्यापित सूचना पर ही अंतिम निष्कर्ष के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।
- प. इस अंतिम निष्कर्ष में “\*\*\*\*” किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना को तथा नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना दर्शाते हैं।
- फ. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर अमेरिकी डॉलर = 83.70 रुपए है।
- ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु
5. जांच की शुरुआत के स्तर पर, विचाराधीन उत्पाद को निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था:
- क) विचाराधीन उत्पाद चूर्च के रूप में ब्लैक टोनर है। टोनर का प्रयोग लेजर प्रिंटर, फोटोकॉपियर, डिजिटल मल्टीफ़ंक्शन डिवाइस (एमएफडी) आदि में कागज पर मुद्रित पाठ और चित्र बनाने के लिए किया जाता है।
- ख) विचाराधीन उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय शीर्ष 37 "फोटोग्राफिक या सिनेमेटोग्राफिक सामान" के अंतर्गत वर्गीकृत है। 8-अंकीय स्तर पर वर्गीकरण 37079010 है। तथापि, आयात आंकड़ों से यह भी पता चला है कि संबद्ध सामानों का आयात 37079090 के अंतर्गत भी किया गया था। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
- ग) निम्नलिखित टोनर जांच के क्षेत्र में शामिल नहीं हैं:
- i. कलर टोनर

- ii. एमआईसीआर टोनर (चेकों में मुद्रण के लिए प्रयुक्त विशेषीकृत टोनर)
- iii. मुद्रण उपस्करों के मूल उपस्कर निर्माताओं द्वारा प्रयोग के लिए आयातित टोनर
- iv. कार्ट्रिज में टोनर
- v. तरल रूप में टोनर

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

6. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित न किए जाने वाले सभी टोनर प्रकारों को जांच के क्षेत्र से बाहर रखे जाने की आवश्यकता है, भले ही यह निर्णायक समीक्षा है। मूल जांच में की गई त्रुटि को इस जांच में आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।
7. प्राधिकारी को घरेलू उत्पादों और आयातित उत्पादों के बीच समान तुलना सुनिश्चित करने और पाठन और क्षति मार्जिन के उचित निर्धारण के लिए उपयुक्त पीसीएन पद्धति निर्धारित करनी चाहिए।
- घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध
8. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:
  - क. वर्तमान आवेदन-पत्र में विचाराधीन उत्पाद "चूर्ण के रूप में ब्लैक टोनर" है। इसका उपयोग लेजर प्रिंटर, फोटोकॉपियर, डिजिटल मल्टीफंक्शन डिवाइस (एमईडी) आदि में कागज पर मुद्रित पाठ और चित्र बनाने के लिए किया जाता है।
  - ख. निम्नलिखित टोनर जांच के क्षेत्र में शामिल नहीं हैं:
    - i. कलर टोनर
    - ii. एमआईसीआर टोनर (चेकों में मुद्रण के लिए प्रयुक्त विशेषीकृत टोनर)
    - iii. मुद्रण उपस्करों के मूल उपस्कर निर्माताओं द्वारा प्रयोग के लिए आयातित टोनर
    - iv. कार्ट्रिज में टोनर
    - v. तरल रूप में टोनर
  - ग. विचाराधीन उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय शीर्ष 37 के अंतर्गत वर्गीकृत है। 8-अंकीय स्तर पर वर्गीकरण 37079010 है। तथापि, आयात आंकड़ों से यह नोट किया गया है कि संबद्ध सामानों 37079090 एचएस कोड के अंतर्गत भी आयात किए गए थे।
  - घ. आवेदकों द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यात किए गए उत्पाद में कोई अंतर नहीं है।
  - ड. निर्धारित न्याय-व्यवस्था और प्राधिकारी की विगत परिपाठियों के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद मूल अधिसूचना में परिभाषित उत्पाद समान है क्योंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच की शुरुआत की अधिसूचना के पैरा संख्या 6 में भी इसे स्पष्ट रूप से नोट किया है। इसका पाठ नीचे पुनः प्रस्तुत किया गया है।
 

वर्तमान याचिका निर्धारित न्याय-व्यवस्था और प्राधिकारी की विगत परिपाठियों के अनुसार निर्णायक समीक्षा जांच होने के नाते विचाराधीन उत्पाद वही रहता है जो मूल जांच में परिभाषित है।
  - च. वर्तमान जांच की शुरुआत की अधिसूचना के पैरा संख्या 28 के अनुसार, वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सूचना प्राप्त होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर निर्दिष्ट प्राधिकारी को भेजी जानी चाहिए। तथापि, विचाराधीन उत्पाद के मुद्रे के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई टिप्पणी दायर नहीं की गई थी और इसीलिए, जांच के इस स्तर पर उक्त पक्षकार के तर्क पर विचार नहीं किया जा सकता।
  - छ. किसी भी सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा पीसीएन का मुद्रा नहीं उठाया गया है। केवल एक आयातक अर्थात् मेसर्स इंडिगो प्रिंट्स स्मार्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इस मुद्रे को उठाया है, यद्यपि जांच के बहुत विलम्बित चरण में उठाया है।

- ज. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने मूल जांच में पीसीएन का मुद्दा उठाया था। तथापि, माननीय प्राधिकारी ने उनके दावे को सही तरीके से खारिज कर दिया क्योंकि विभिन्न ग्रेड/प्रकारों के बीच लागत और कीमतों के बीच महत्वपूर्ण अंतर दिखाने के लिए कोई सबूत दायर नहीं किया गया था। मूल जांच के अंतिम निष्कर्षों जांच परिणामों से संगत अंश नीचे दिए गए हैं।

**मूल अंतिम जांच परिणाम का पैरा 14(ग)**

कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने पीसीएन पद्धति अपनाने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने विभिन्न ग्रेड/प्रकारों के बीच लागत और कीमतों के बीच महत्वपूर्ण अंतर दिखाने के लिए साक्ष्य प्रदान नहीं किए हैं। पीसीएन पद्धति केवल उन मामलों में आवश्यक है जहां विचाराधीन उत्पाद/समान वस्तु के कई ग्रेड और रूप हैं और इन ग्रेड और रूपों के बीच पर्याप्त लागत और कीमत का अंतर है। तदनुसार, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने के बाद, वर्तमान जांच में पीसीएन वार विश्लेषण न करना उपर्युक्त पाया गया है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

9. पीयूसी से संबंधित मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण की जांच की गई है और निम्नानुसार संबोधित किया गया है:

क) यह नोट किया गया है कि कुछ इच्छुक पक्षों ने ऐसे दावों के लिए कोई आधार या साक्ष्य प्रदान किए बिना विचाराधीन उत्पाद से संबंधित वस्तुओं के कुछ ग्रेड/प्रकारों को बाहर रखने का दावा किया है। मूल जांच में इस मुद्दे की पहले ही जांच की जा चुकी थी। इसलिए, प्राधिकरण को बहिष्करण के लिए उनके दावों में कोई योग्यता नहीं मिलती है।

ख) मेसर्स इंडिगो प्रिंट्स स्मार्ट प्राइवेट लिमिटेड, एक आयातक ने पीसीएन पद्धति अपनाने का अनुरोध किया है। यह नोट किया जाता है कि किसी भी सहयोगी उत्पादक/निर्यातक ने पीसीएन पद्धति अपनाने का अनुरोध नहीं किया। पीसीएन पद्धति केवल उन मामलों में आवश्यक है जहां पीयूसी/समान वस्तु के कई ग्रेड और रूप हैं और इन ग्रेड और रूपों के बीच पर्याप्त लागत और कीमत का अंतर हो। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातक ने विभिन्न ग्रेड/प्रकारों के बीच लागत और कीमत के बीच महत्वपूर्ण अंतर दिखाने के लिए साक्ष्य प्रदान नहीं किए हैं। तदनुसार, आयातक के तर्कों की जांच करने के बाद, वर्तमान जांच में पीसीएन वार विश्लेषण न करना उपर्युक्त पाया गया है।

10. उपर्युक्त के मद्देनजर, विचाराधीन उत्पाद पाउडर के रूप में ब्लैक टोनर है, और पीयूसी का दायरा मूल जांच के समान ही है।

11. निम्न प्रकार के टोनर जांच के क्षेत्र में शामिल नहीं हैं:

- क) कलर टोनर
- ख) एमआईसीआर टोनर (चेकों में मुद्रण के लिए प्रयुक्त विशेषीकृत टोनर)
- ग) मुद्रण उपस्करों के मूल उपस्कर निर्माताओं द्वारा प्रयोग के लिए आयातित टोनर
- घ) कार्ट्रिज में टोनर
- ड.) तरल रूप में टोनर

12. विचाराधीन उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय शीर्ष 37 के अंतर्गत वर्गीकृत है। 8-अंकीय स्तर पर वर्गीकरण 37079010 है। तथापि, आयात आंकड़ों से यह नोट किया गया है कि संबद्ध सामानों 37079090 एचएस कोड के अंतर्गत भी आयात किए गए थे। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

13. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद, संबद्ध देशों से आयातित सामानों की समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन

उत्पाद, भौतिक एवं रासायनिक गुण-धर्मों, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित और घरेलू तौर पर बेचे गए उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं, और उपभोक्ता इन दोनों का प्रयोग परस्पर परिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं।

**घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार  
अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

14. मेसर्स प्योर टोनर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एक आवेदक) मेसर्स कॉर्पोरेशन एक्सपोर्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड से संबद्ध है, जो संबद्ध देश से ब्लैक टोनर चूर्ण का एक प्रमुख आयातक है। तदनुसार, आवेदक घरेलू उद्योग के रूप में विचार किए जाने के पात्र नहीं हैं।
15. आवेदन-पत्र में आवेदकों द्वारा यह दावा किया गया है कि वे इस तथ्य के बावजूद कि भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है कि मई, 2018 से भारत में संबद्ध सामानों के एक से अधिक उत्पादक मौजूद हैं। आवेदकों ने अपने आवेदन-पत्र में गलत घोषणा की है।

**घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

16. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में जांच प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:
  - क) किसी भी सहयोगी उत्पादक/निर्यातक ने आधार के संबंध में कोई अनुरोध दायर नहीं किया है।
  - ख) आवेदक, मेसर्स प्योर टोनर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स इंडियन टोनर्स एंड डेवलपर्स लिमिटेड, भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादक हैं। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वे अपनी सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर संबद्ध सामानों के एकमात्र निर्माता हैं।
  - ग) मूल जांच में भी, हितबद्ध पक्षकारों ने आधार-हीन दावा किया है कि ऐसे उत्पादक हैं जो विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण कर रहे हैं। तथापि, तथाकथित अन्य घरेलू उत्पादकों में से किसी ने भी यह दावा करते हुए कोई अनुरोध दायर नहीं किया कि वे विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण में लगे हुए हैं।
  - घ) यह जांच 30.09.2024 को शुरू की गई थी। किसी तथाकथित अन्य घरेलू उत्पादक ने यह दावा करते हुए कोई अनुरोध दायर नहीं किया कि वे विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माता हैं।
  - ड.) आवेदकों ने संबद्ध देशों से अथवा संबद्ध देशों के किसी निर्यातक से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है।
  - च) आवेदकों का विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में 100% हिस्सा है। इस प्रकार, आवेदकों का विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और तदनुसार, आधार की अपेक्षा पूरी करते हैं तथा नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के अनुसार 'घरेलू उद्योग' हैं।
  - छ) कॉर्पोरेशन एक्सपोर्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड चीन जन.गण.से एनपीयूसी (जैसे डेवलपर, कलर टोनर आदि) का आयातक है न कि विचाराधीन उत्पाद का, जैसा कि उनके लिखित अनुरोधों के अनुबंध ग के अनुसार आयातक (इंडिया प्रिंट्स स्मार्ट प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा दिए गए आयात आंकड़ों से भी स्पष्ट रूप से सिद्ध है। प्राधिकारी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया जाता है कि संबंध के बारे में घोषणा संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के अनुसार की गई है न कि अन्य देशों के संदर्भ में, क्योंकि नियम 2(ख) में प्रयुक्त शब्द "तथाकथित पाठित वस्तु" है। इस संदर्भ में हमारे दावे को प्रमाणित करने के लिए, प्राधिकारी का ध्यान पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) की ओर आकर्षित किया जाता है। इसका संगत पाठ नीचे पुनः नीचे दिया गया है।

नियम 2(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए

उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियांतिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं; तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

- ज) उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना, यह अनुरोध है कि मेसर्स प्योर टोनर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स कॉपीस्टार एक्सपोर्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को कानून के विशिष्ट प्रावधानों, प्राधिकारी की सतत परिपाठी तथा इस विषय पर न्याय व्यवस्था के अनुसार ‘संबद्ध पक्षकार’ नहीं माना जा सकता।
- झ) उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना, यह सादर अनुरोध है कि बहुत सी जांचों में, प्राधिकारी ने उस घरेलू उत्पादक पर भी विचार किया है जिसने पात्र घरेलू उद्योग के रूप में संबद्ध देशों से जांच की अवधि में संबद्ध सामानों का आयात किया है।
- ञ.) किसी भी दशा में प्योर टोनर्स की पात्रता या अपात्रता से वर्तमान मामले के तथ्यों में कोई वास्तविक अंतर नहीं पड़ेगा। स्वीकार्य रूप से, देश में संबद्ध सामानों के केवल दो उत्पादक हैं। चूंकि दोनों घरेलू उत्पादक वर्तमान जांच में आवेदक हैं, अतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों का मामले पर किसी भी तरह से कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

17. नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियांतिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं; तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

- 18. यह नोट किया जाता है कि आवेदन-पत्र मैसर्स प्योर टोनर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स इंडियन टोनर्स एंड डेवलपर्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदकों ने सूचित किया है कि वर्तमान में उनकी उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुसार भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य उत्पादक नहीं है।
- 19. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में कि मैसर्स प्योर टोनर्स को नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है क्योंकि उनके एक संबद्ध पक्षकार ने संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कॉपीस्टार एक्सपोर्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है जैसा कि डीजी सिस्टम आंकड़ों के विश्लेषण से सिद्ध है। यह भी नोट किया गया है कि कॉपीस्टार एक्सपोर्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान कलर टोनर और डेवलपर का आयात किया है जो गैर विचाराधीन उत्पाद हैं।
- 20. हितबद्ध पक्षकारों ने आरोप लगाया है कि मैसर्स जेआईटी एंटरप्राइजेज नामक एक अन्य भारतीय उत्पादक भी है जो भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन में लगा हुआ है। यह मुद्दा मूल जांच में भी उठाया गया था और इसकी गहन जांच की गई थी। यह भी नोट किया गया है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अपने दावे को सिद्ध करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य नहीं दिया है। इसके अतिरिक्त, किसी भी घरेलू उत्पादक ने यह दावा नहीं किया है कि वे संबद्ध सामानों का विनिर्माण कर रहे हैं।
- 21. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर, आवेदकों का कुल भारतीय उत्पादन में 100% हिस्सा है और उनका प्रमुख अनुपात है। यह नोट किया जाता है कि आवेदकों ने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है और वे भारत में किसी आयातक या संबद्ध देशों के किसी नियांतिक से संबद्ध नहीं हैं।
- 22. तदनुसार, प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक आधार की अपेक्षा को पूरा करते हैं और नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।
- ड. **गोपनीयता**  
अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

23. याचिकाकर्ताओं ने कई सूचनाओं के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है, जो काफी हद तक उत्तरदाताओं की अपने हितों की रक्षा करने की क्षमता को बाधित करता है। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 और डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.5 के तहत जांच में आवश्यक तथ्यों पर गोपनीयता का दावा करने के उद्देश्य से उचित कारण देने में विफल रहा है।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

24. उत्पादक/निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने संगठनात्मक चार्ट, शेयरधारक सूची, संबंधित कंपनियों के विवरण, उत्पादन प्रवाह चार्ट आदि जैसी अनिवार्य सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को उनके द्वारा उनके उत्तर में दायर की गई सूचना पर अपनी सार्थक टिप्पणियां दायर करने में बाधा उत्पन्न हुई है।
25. उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर को अस्वीकार करने का अनुरोध किया जाता है, क्योंकि वे कानून के अनुसार नहीं हैं, क्योंकि उत्पादक/निर्यातक अनिवार्य प्रावधानों का पालन करने में बुरी तरह विफल रहे हैं।
- प्राधिकारी द्वारा जांच**
26. सूचना की गोपनीयता के संबंध में नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

“गोपनीय सूचना : (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में निहित किसी बात के होते हुए भी नियम 5 के उप-नियम (1), अथवा जांच प्रक्रिया में किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को दी गई किसी अन्य सूचना के तहत प्राप्त आवेदन-पत्रों की प्रतियां, उसकी गोपनीयता के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

27. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश देते हुए विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर एक-दूसरे के साथ अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर साझा करने के लिए उपलब्ध कराया। व्यापार संवेदी सूचना परिपाटी के अनुसार गोपनीय रखी गई है।

28. प्राधिकारी ने आवेदकों और विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों पर विचार किया है तथा इसके बारे में संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है।

#### **च. विविध अनुरोध**

##### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

29. बाजार आसूचना स्रोत से लिए गए आयात आंकड़े प्राधिकृत और विश्वसनीय नहीं हैं। प्राधिकारी को जांच शुरू करते समय वर्तमान जांच में आयातों की जांच के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के लिए मांग करनी चाहिए थी। विगत में, प्राधिकारी ने हमेशा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों पर विश्वास किया है, न कि गौण स्रोतों पर।

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

30. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए इस दावे के संबंध में कि प्राधिकारी को वर्तमान जांच में आयातों की जांच के लिए जांच शुरू करते समय डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े मंगाने चाहिए थे, यह अनुरोध है कि माननीय प्राधिकारी ने वास्तव में डीजी सिस्टम के आंकड़ों से जांच शुरू करते समय संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के निर्यात कीमत का परिकलन किया है, जैसा कि वर्तमान जांच की शुरुआत की अधिसूचना के पैरा संख्या 15 से सिद्ध है। इसका पाठ नीचे पुनः प्रस्तुत किया गया है।

संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के निर्यात कीमत का निर्धारण डीजी सिस्टम के आंकड़ों से किया गया है, जिसमें समुद्री माल हुलाई, समुद्री बीमा, बंदरगाह व्यय, बैंक प्रभारों आदि के निमित्त उचित कीमत समायोजन शामिल हैं।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

31. जहां तक आयात आंकड़ों की विश्वसनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए दावे का संबंध है, यह नोट किया जाए कि जांच की शुरुआत के समय डीजी सिस्टम के आंकड़ों पर विचार किया गया है।

- छ. **बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**  
अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

32. सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 में निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन करता है और नियम 5(2) और 5(3) के उल्लंघन में किसी भी साध्य द्वारा समर्थित नहीं है।

33. 11 दिसंबर, 2016 को विश्व व्यापार संगठन में चीन जन.गण. के अभिगम संबंधी नयाचार की धारा 15(क)(ii) की समाप्ति का अर्थ है कि भारत, एक डब्ल्यूटीओ सदस्य के रूप में, चीन के विरुद्ध सभी पाटनरोधी जांचों के संबंध में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पद्धति का उपयोग बंद करने के लिए बाध्य होगा। विशेष रूप से, 11 दिसंबर, 2016 के बाद, भारत के पास गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पद्धति का उपयोग करके सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए डब्ल्यूटीओ करारों के तहत कानूनी आधार नहीं है। भारत द्वारा की गई ऐसी कोई भी कार्रवाई प्रशुल्क और व्यापार 1994 के सामान्य करार के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौते ("पाटनरोधी करार") और अन्य कवर किए गए समझौतों की आवश्यकताओं के साथ असंगत होगी। हमारा मानना है कि जांच प्राधिकारी के रूप में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का यह दायित्व है कि वह डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए आवश्यक सूचना मांगे।

### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

34. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

#### **चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य**

35. पाटन मार्जिन नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8 के अनुसार चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए, क्योंकि पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी या डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के अन्य सक्षम प्राधिकारियों द्वारा की गई पाटनरोधी जांचों के प्रयोजनों के लिए इसे एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है, जब तक कि संबंधित फर्म/उत्पादक/निर्यातक पैरा 8(2) में निर्धारित मानदंडों के आधार पर उक्त अनुमान का खंडन करने में सक्षम न हों।

36. चीनी फर्मों के लिए सामान्य मूल्य अनुबंध I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। आवेदकों ने चीन जन.गण. में घरेलू कीमतों की सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया। तथापि, आवेदक संबद्ध देशों में संबद्ध सामानों के लिए कोई मूल्य विवरण प्राप्त करने की स्थिति में नहीं थे, क्योंकि यह सूचना सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं है। अतः, घरेलू उद्योग ने समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त अथवा देय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्मित किया है, जिसे उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया गया है।

#### **ताइवान के लिए सामान्य मूल्य**

37. आवेदक ने दावा किया है कि उन्होंने ताइवान में घरेलू कीमतों की सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया है। तथापि, आवेदक ताइवान में संबद्ध सामानों के लिए कोई कीमत विवरण प्राप्त करने की स्थिति में नहीं थे क्योंकि यह सूचना सार्वजनिक पटन पर उपलब्ध नहीं है। इसलिए, घरेलू उद्योग ने उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त अथवा देय कीमत के आधार पर इसके लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया है।
38. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण क्षति की अवधि के दौरान मलेशिया से भारत को संबद्ध सामानों का कोई निर्यात नहीं हुआ है।  
**चीन जन.गण. और ताइवान के लिए निर्यात कीमत**
39. भारत विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए एक आर्कषक बाजार है, जो इस तथ्य से भी सिद्ध है कि संबद्ध देशों के दो प्रमुख उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् ट्रेंड टोन इमेजिन इंक. (टीटीआई) और तियानजिन झोंगहुआन टीसीओए इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड (टीसीओए) ने अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए मूल जांच में हेरफेर का सहारा लिया। यह तथ्य मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में स्पष्ट रूप से दर्ज है।
40. जांच की अवधि और क्षति की अवधि का अनुमान कानून के तहत निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत के लिए आवेदन दाखिल करने के लिए प्रदान की गई समय सीमा पर विचार करते हुए संभव है, जो निर्यातकों को भारत में अपनी विक्री की योजना इस तरह से बनाने की अनुमति देता है जिससे अनुकूल परिणाम प्राप्त हो।
41. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि उनकी बाजार आसूचना के अनुसार, संबद्ध सामानों के निर्यातक/आयातक घरेलू उद्योग की कीमतों को कम करने के लिए आयात के बाद छूट दे रहे हैं।
42. गौण स्रोत से एकत्रित लेनदेनवार आंकड़ों के अनुसार प्रस्तावित जांच अवधि के लिए आयात की मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए संबद्ध देशों से निर्यात कीमत निर्धारित कक्षी गई है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन, पत्तन सार-संभाल और मंजूरी प्रभारों, बैंक प्रभारों, कमीशन, क्रृष्ण लागत के लिए समायोजन किए गए हैं। तथापि, उपरोक्त तथ्यों पर विचार करते हुए निर्यात कीमत विश्वसनीय नहीं है।
- प्राधिकारी द्वारा जांच**  
**चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य**
43. विश्व व्यापार संगठन में चीन के अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है: जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद VI, प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार ("पाटनरोधी करार") और एससीएम करार निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीनी मूल के आयातों में शामिल कार्यवाहियों में लागू होगा:

"(क)जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद -VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और विक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस

उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयाँ हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहाँ व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यामान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ क (II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

44. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15(क)(ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हुए है, तथापि अभिगम नयाचार के 15(क)(i) के तहत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का दावा करने संबंधी पूरक प्रश्नावली में दिए जाने के लिए सूचना/आंकड़ों के माध्यम से संतुष्ट होने के लिए नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 में निर्धारित मापदंड अपेक्षित है।
45. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति प्रश्नावली के उत्तर पर पूरक प्रश्नावली दायर नहीं की है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है, जो इस प्रकार है:

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय उप उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहाँ उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

8 (1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं; जिसके कारण ऐसे देश में पाण्य सामानों कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार सामानों के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।”

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू.टी.ओ.के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या: (क) ऐसे देश में कहीं समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यह्रास, अन्य बटे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गांरटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं; तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप-पैरा (2) में निहित किसी बात के होते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जो संगत मानदंडों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर, जिसमें उप-पैरा (3) में निर्धारित मानदंड शामिल हों, उस किसी देश द्वारा पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के लिए निर्धारित अथवा सार्वजनिक दस्तावेज में उस मूल्यांकन के प्रकाशन से माना गया हो, जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है।

46. पैरा 7 सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अनुक्रम निर्धारित करता है तथा उसमें यह प्रावधान है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर किया जाएगा, या ऐसे तीसरे देश से भारत किसी अन्य देश में कीमत के आधार पर किया जाएगा, या जहां यह संभव न हो, वहां

किसी उचित आधार पर, जिसमें समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त अथवा देय कीमत शामिल है, जिसे उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए, यदि आवश्यक हो, विधिवत समायोजित किया जाएगा। इस प्रकार, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुबंध-I के तहत प्रदान किए गए विभिन्न क्रमिक विकल्पों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना अपेक्षित है।

47. यह नोट किया जाना चाहिए कि पहले और दूसरे तरीकों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए पक्षकारों द्वारा कोई सूचना/साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है। उपर्युक्त सूचना/साक्ष्य के अभाव में, प्राधिकारी पहले या दूसरे तरीके के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने में असमर्थ हैं। अतः, प्राधिकारी ने तीसरे तरीके के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण करने का निर्णय लिया है, अर्थात्, जांच की अवधि के दौरान भारत में वास्तव में प्रदत्त अथवा देय कीमत के आधार पर किया है।

**हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड और उसके संबद्ध उत्पादक एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत**

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड तथा इसके संबद्ध उत्पादक एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने उत्तर दिया है तथा निवल निर्यात कीमत (एनईपी) निर्धारित करने के लिए सूचना दी है। यह पाया गया था कि हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान भारत को \*\*\* एमटी संबद्ध सामानों का निर्यात किया था, जिसमें से \*\*\* एमटी इसकी संबद्ध उत्पादक एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड से उत्पादित सामग्री थी तथा शेष \*\*\* एमटी का उत्पादन उनके द्वारा किया गया था। हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड तथा इसके संबद्ध उत्पादक एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड दोनों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण ने \*\*\* मी टन के निर्यात के आधार पर निर्यात मूल्य पर विचार किया है। डेस्क सत्यापन के बाद अंतर्देशीय भाड़े और अन्य मदों पर होने वाले व्यय को उनके निर्यात मूल्यों से कम कर दिया गया है। भारित औसत निवल फैक्टरी निर्यात मूल्य, उपर्युक्त व्ययों के समायोजन के पश्चात्, निर्धारित किया जाता है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**चीन जन.गण. के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

49. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

#### ताइवान

**ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक. के लिए सामान्य मूल्य**

50. उत्पादक ने जांच की अवधि में \*\*\* एमटी की घरेलू विक्री की सूचना दी है। उत्पादक ने दावा किया है कि सभी घरेलू विक्री असंबद्ध पक्षकारों को की गई है। उत्पादक ने अंतर्देशीय परिवहन, ऋण लागत और पैकिंग लागत के निमित समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने साधारण व्यापार प्रक्रिया ("ओसीटी") परीक्षण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुल घरेलू विक्री का 80% लाभप्रद पाए गए हैं। अतः, सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कुल घरेलू विक्री को आधार माना है। अंतर्देशीय परिवहन, ऋण लागत और पैकिंग लागत के निमित समायोजनों की अनुमति डेस्क सत्यापन के बाद दी गई है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**ताइवान में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

51. ताइवान के अन्य सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है और उसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

**ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक., ताइवान के लिए निर्यात कीमत**

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक. ने उत्तर दिया है और निवल निर्यात कीमत (एनईपी) निर्धारित करने के लिए सूचना प्रदान की है। यह देखा जाता है कि ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक. ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\* एमटी संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। समुद्री भाड़ा, अंतर्देशीय भाड़ा और अन्य के निमित खर्चों को उनकी निर्यात कीमतों से घटा दिया गया है। उपरोक्त खर्चों के समायोजन के बाद भारित औसत निवल कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### ताइवान के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

53. ताइवान के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

#### पाटन मार्जिन

54. ऊपर निर्मित सामान्य मूल्य और निर्धारित निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार है:

मूल के और/अथवा निर्यातक देश	उत्पादक का नाम	सामान्य मूल्य (यूएसडॉ./एमटी)	निर्यात कीमत (यूएसडॉ./एमटी)	पाटन मार्जिन (डीएम) (यूएसडॉ./एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन % (रेंज)
चीन जन.गण.	हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कं., लिमिटेड	***	***	***	***	(0-10)
चीन जन.गण.	कोई अन्य	***	***	***	***	10-20
ताइवान	ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक.	***	***	***	***	80-90
ताइवान	कोई अन्य	***	***	***	***	120-130

55. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि हान्डान हंगुआंग (चीन जन. गण. से भाग लेने वाला निर्यातक) को छोड़कर, पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

ज. क्षति के निर्धारण की पद्धति और क्षति, कारणात्मक संपर्क और पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना की जांच

ज.1 वास्तविक क्षति का मूल्यांकन और कारणात्मक संपर्क की जांच अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

56. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, क्योंकि संबद्ध देशों से आयात में 15% की गिरावट आई है, जो 2020-21 में 1644 एमटी से घटकर 2023-24 में 1400 एमटी हो गई। साथ ही, घरेलू उद्योग की विक्री में 69% की वृद्धि हुई है, जो 2020-21 में 100 एमटी से बढ़कर 2023-24 में 169 एमटी हो गई है, जो कुल मांग में 36% की वृद्धि से उल्लेखनीय रूप से अधिक है।
- ख. संबद्ध देशों से आयातों से कोई कीमत प्रभाव नहीं है, क्योंकि इन देशों से विक्री की लागत घरेलू उद्योग की विक्री की लागत और निवल विक्री प्राप्ति से अधिक बढ़ गई है।
- ग. संस्थापित क्षमता 2020-21 में 100 एमटी से 31% बढ़कर 2023-24 में 131 एमटी हो गई है, विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन मात्रा 100 एमटी से 76% बढ़कर 176 एमटी हो गई है। तथापि, क्षमता

- उपयोग में 34% की गिरावट आई है, जो 2021-22 में 142% से घटकर 2023-24 में 134% हो गई है। क्षमता उपयोग में यह गिरावट क्षमता में काफी विस्तार के कारण है, न कि कम मांग या आयात के कारण।
- घ. घरेलू बिक्री में 69% की वृद्धि हुई, जो 2020-21 में 100 एमटी से बढ़कर 2023-24 में 169 एमटी हो गई, जो स्थानीय बाजार में मजबूत निष्पादन का संकेत है। इसी तरह, निर्यात बिक्री में भी 52% की वृद्धि हुई, जो 2020-21 में 100 एमटी से बढ़कर 2023-24 में 152 एमटी हो गई, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।
- ड. उत्पादन के दिनों की संख्या के रूप में औसत मालसूची में 12% की कमी आई है, जो 2020-21 में 100 दिनों से घटकर 2023-24 में 88 दिन हो गई है, जो बेहतर मालसूची दक्षता और मांग के साथ उत्पादन के बेहतर अनुरूपण को बताती है। कुल मिलाकर, आंकड़े प्रभावी मालसूची प्रबंधन परिपाठियों को दर्शाता है, यह सुनिश्चित करता है कि अतिरिक्त स्टॉक को कम करते हुए उत्पादन और बिक्री को अच्छी तरह से समर्थन मिले।
- च. घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी 2020-21 में 100% से बढ़कर 2023-24 में 125% हो गई है, जो मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। इसके विपरीत, संबद्ध देशों से आयात की हिस्सेदारी में 50% की उल्लेखनीय गिरावट आई है, जो 2020-21 में 100% से घटकर 2023-24 में 50% हो गई है।
- छ. सभी मेट्रिक्स में उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है। प्रति दिन उत्पादकता में 76% की वृद्धि हुई है, जो 2020-21 में 100 एमटी से बढ़कर 2023-24 में 176 एमटी हो गई है, जो उच्च समग्र उत्पादन को दर्शाती है। प्रति कर्मचारी उत्पादकता 100 एमटी से बढ़कर 42% हो गई है।
- ज. पीबीटी, पीबीआईटी और पीबीडीआईटी जैसी लाभप्रदता में आर्कषक वृद्धि देखी गई है, जिसमें पीबीटी में 288% तक की वृद्धि हुई है, और नकद लाभ में 203% तक की वृद्धि हुई है।
- झ. निवेश पर आय में काफी सुधार हुआ है, जो 86% तक बढ़ा है। कुल मिलाकर, आंकड़े घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं दर्शाते।

### घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

57. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग में केवल एमएसएमई कंपनियां शामिल हैं, तथा शुल्कों की सिफारिश करने तथा घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाठित आयातों से बचाने के लिए प्राधिकारी का आभारी है, जिसके कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में प्रारंभिक वर्षों को छोड़कर सुधार हुआ। तथापि, संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों ने संबद्ध सामानों का महत्वपूर्ण नियर्ति जारी रखा है। अतः, पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखना जनहित में होगा तथा पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने से निश्चित रूप से घरेलू उद्योग को पाटन तथा क्षति जारी रहेगी और बार-बार होती रहेगी। यह भी अनुरोध है कि यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं, तो घरेलू उद्योग द्वारा किया गया महत्वपूर्ण निवेश खतरे में पड़ जाएगा तथा रोजगार की हानि होगी।
- ख. शुल्कों के लागू होने के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा 37% (लगभग \*\*\*करोड़) तक की महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि/निवेश किया गया, जिससे घरेलू उद्योग भारत की कुल मांग को पूरा करने में आत्मनिर्भर हो गया, अर्थात मांग तथा आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है।
- ग. उद्योग ने एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार में भी वृद्धि की है, जो काफी समय से दबाव में है।
- घ. घरेलू उद्योग ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(1घ) के अनुसार चीन जन.गण., ताइवान और मलेशिया (जिन्हें आगे "संबद्ध देश" कहा गया है) से "चूर्ण स्वरूप में ब्लैक टोनर" (जिसे "संबद्ध सामान" या "विचाराधीन उत्पाद" भी कहा गया है) के आयत पर लगाए गए मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने के लिए आवेदन-पत्र दायर किया है, जो सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 12/2021- सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 05 मार्च, 2021 के तहत लगाया गया है, जो अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की तारीख यानी 10

- अगस्त, 2020 से लागू है। तदनुसार, नियम 23(1ब) के साथ पठित धारा 9क (5) के तहत भी जांच शुरू की गई, जो केवल शुल्क लगाने की अवधि के विस्तार को अनिवार्य करती है, न कि शुल्कों में किसी भी संशोधन को।
- ड. प्राधिकारी को इस निष्कर्ष पर पहुंचना है कि पाटनरोधी शुल्क न बढ़ाए जाने का निर्णय लेने से पूर्व संबद्ध देशों से पाठित आयातों से घरेलू उद्योग को पाटन अथवा क्षति जारी रहने अथवा अन्यथा पाटन अथवा क्षति बार-बार होने की कोई संभावना न हो।
- च. घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार का मतलब यह नहीं है कि शुल्कों को जारी नहीं रखा जा सकता है। निर्णायक समीक्षा में, प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वे आयातों की मात्रा और कीमत पर शुल्क की समाप्ति के संभावित प्रभाव और शुल्क की वापसी की स्थिति में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर उसके परिणामी प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संभावित विश्लेषण करें।
- छ. सभी पक्षकार संभावित जांच की अवधि से सुविज्ञ हैं जो कि प्राधिकारी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत के लिए आवेदन-पत्र दायर करने हेतु कानून के तहत दी गई समय-सीमा पर विचार करते हुए किसी निर्णायक समीक्षा जांच में ली जाएगी। यह उत्पादकों/निर्यातकों को उस तरीके से भारत को अपनी बिक्री की योजना बनानी की अनुमति देती है, जिसके अनुकूल परिणाम होंगे। यह इस कारण है कि जांचकर्ता प्राधिकारी विश्व-भर में संभावना का विश्लेषण करते हैं और जहां संभावना सकारात्मक पार्इ जाए, वहां डीजीटीआर सहित प्राधिकारियों ने विश्व-भर में तब भी शुल्क जारी रखने की सिफारिश की थी, जब जांच की अवधि में संबद्ध सामानों के कोई आयात नहीं थे। तदनुसार, घरेलू उद्योग प्राधिकारी से विनम्र अनुरोध करता है कि वे अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए मौजूदा पाटनरोधी शुल्क बढ़ाएं।
- ज. लागू शुल्कों के कारण जांच की अवधि में संबद्ध देशों से कुल आयात में गिरावट आई, जो स्पष्ट रूप से संबद्ध देशों से पाटन और क्षति बार-बार होने की संभावना को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। तथापि, ताइवान से आयात आधार वर्ष में 282 एमटी से जांच की अवधि में 696 एमटी तक उल्लेखनीय रूप से बढ़ गया, यानी लगभग 146% हो गया। समग्र आयात में गिरावट निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करते हुए निर्णायक समीक्षा जांच में अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए जानबूझकर की गई हो सकती है:
- संबद्ध देशों के प्रमुख उत्पादकों/निर्यातकों के पास अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए हेरफेर का सहारा लेने का सिद्ध इतिहास है।
  - जांच की अवधि और क्षति की अवधि का सटीक अनुमान निर्णायक समीक्षा जांच में संभव है।
- झ. व्यापार का पैटर्न पूरी तरह से बदल गया है। शुल्क लगाए जाने के बाद, चीन जन.गण.से आयात में गिरावट आई जबकि ताइवान से आयात में वृद्धि हुई क्योंकि ताइवान के उत्पादकों के विरुद्ध शुल्क चीनी उत्पादकों की तुलना में कम है।
- ज. समग्र आयात में स्पष्ट गिरावट, सर्वोत्तम रूप से, एक अस्थायी घटना है और शुल्क जारी नहीं रहने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाठित आयात में वृद्धि की पूरी संभावना है।
- ट. घरेलू उद्योग की बाजार आसूचना के अनुसार, संबद्ध सामानों के निर्यातक/आयातक घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती करने के लिए आयात के बाद छूट दे रहे हैं। उपरोक्त आशंका बाजार में व्यापारियों द्वारा दी जाने वाली कीमतों की हमारी बाजार सूचना पर आधारित है। इसके मद्देनजर, निर्यात कीमत सही तस्वीर नहीं दर्शाएगी।
- ठ. चीन जन.गण. से संबद्ध सामानों का पहुंच मूल्य वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में कम हो गया। अतः, घरेलू उद्योग को उसी अवधि के दौरान लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में अपनी घरेलू बिक्री कीमत को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पाठित आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को काफी कम कर दिया है। घरेलू उद्योग जांच की अवधि के दौरान लागत में वृद्धि के अनुरूप कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं है। यह स्पष्ट रूप से किसी भी संदेह से परे साबित करता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से आयात के कारण क्षति हो रही है और शुल्क जारी

- नहीं रहने की स्थिति में पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की पूरी संभावना है।
- ड. घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाया है। घरेलू उद्योग को उत्पादन के वर्तमान स्तर को प्राप्त करने के लिए संबद्ध देशों से आयात कीमतों से मेल खाना पड़ा था। यह स्थिति स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग पर कीमत दबाव को दर्शाती है।
- ढ. शुल्क लगाए जाने के बाद, घरेलू उद्योग ने भारतीय मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता में काफी वृद्धि की है। संबद्ध देश से महत्वपूर्ण पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं, तो घरेलू उद्योग की स्थिति और खराब हो जाएगी और कारखाने बंद हो सकते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेश खतरे में पड़ जाएगा।
- ण. घरेलू उद्योग, जो एमएसएमई क्षेत्र में है, \*\*\*से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देता है। संबद्ध देश से भारी मात्रा में पाटित आयातों के कारण वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। यदि शुल्क जारी नहीं रखे गए, तो घरेलू उद्योग की स्थिति और खराब हो जाएगी और यहां तक कि कारखाने बंद हो सकते हैं और बड़े पैमाने पर छंटनी भी हो सकती है।
- त. वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में काफी गिरावट आई है। यह नोट किया जाए कि निर्यात वसूली घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर है।
- थ. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के औसत मात्रासूची में पिछले वर्षों की तुलना में वृद्धि हुई है।
- द. वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई। पाटित और क्षतिकारक आयातों की मौजूदगी से इस क्षेत्र में भावी निवेश सुभेद्रा हो गया है। यदि शुल्क जारी नहीं रखे गए तो घरेलू उद्योग की स्थिति और खराब हो जाएगी और कारखाने बंद हो सकते हैं।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

58. नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा (iii) में निम्नानुसार उल्लेख है:

(iii) यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा (ख) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू सामानों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के महेनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।“

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. ताइवान से पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से ऊपर है और काफी सकारात्मक है। चीन जन. गण. का पाटन मार्जिन सहयोगी उत्पादक के लिए नकारात्मक है लेकिन अन्य उत्पादकों के लिए सकारात्मक है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा व्यक्तिगत रूप से कुल आयात मात्रा के 3% से अधिक है।
- ग. आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल सीधे तौर पर परस्पर प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश किए गए समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

60. उपर्युक्त के महेनजर, प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी रूप से आकलन करना उचित होगा।

61. क्षति के मूल्यांकन और कारणात्मक संपर्क के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम II में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "...पाटित आयातों की मात्रा, समान सामानों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी सामानों के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाठन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुसार किया गया है।

#### घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

##### (क) मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

62. वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत, भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री का योग और सभी स्रोतों से आयात को ध्यान में रखा गया है। इस प्रकार आकलित मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि और पिछले वर्षों में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
चीन से आयात	एमटी	733	237	127	104
ताइवान से आयात	एमटी	299	676	775	702
संबद्ध देशों से आयात	एमटी	1032	913	902	806
अन्य देशों से आयात	एमटी	263	544	635	566
<b>कुल आयात</b>	<b>एमटी</b>	<b>1294</b>	<b>1457</b>	<b>1537</b>	<b>1318</b>
<b>कुल आयात में आयात का % हिस्सा</b>					
चीन से आयात	%	56.6%	16%	8%	8%
ताइवान से आयात	%	23.1%	46%	50%	53%
संबद्ध देशों से आयात	%	80%	63%	59%	61%
अन्य देशों से आयात	%	20%	37%	41%	43%
<b>घरेलू बिक्री</b>	<b>एमटी</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	171	169
<b>कुल मांग</b>	<b>एमटी</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
<b>प्रवृत्ति</b>	<b>सूचीबद्ध</b>	<b>100</b>	<b>130</b>	<b>153</b>	<b>146</b>

63.. यह देखा जाए कि लागू शुल्कों के कारण जांच की अवधि में संबद्ध देशों से कुल आयात में गिरावट आई है। तथापि, ताइवान से आयात आधार वर्ष में 299 एमटी से जांच की अवधि में 702 एमटी तक उल्लेखनीय रूप से बढ़ गया, यानी लगभग 135% तक बढ़ गया। यह भी नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में संबद्ध सामानों की मांग में 46% की वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों की बाजार हिस्सेदारी में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है, जबकि गैर-संबद्ध देशों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

##### (ख) संबद्ध देशों से आयात की मात्रा

64. आयात की मात्रा के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि ताइवान से आयात आधार वर्ष में 299 एमटी से बढ़कर जांच अवधि में 702 एमटी हो गया, यानी लगभग 135% तक की वृद्धि हुई। लागू शुल्कों के कारण जांच की अवधि में भारतीय उत्पादन और भारत में कुल मांग की तुलना में संबद्ध देशों से आयात में गिरावट आई है। इसका व्यौरा इस प्रकार है:-

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
संबद्ध देशों से आयात	एमटी	1,032	913	902	806
घरेलू उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	177	176
उत्पादन में संबद्ध देशों की % हिस्सेदारी	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	63	50	44
भारत में मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	153	146
खपत में संबद्ध देशों का % हिस्सा	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	57	54

65. यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन और मांग के संबंध में, संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात में आधार वर्ष और पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि में गिरावट आई है, संभवतः पाटनरोधी शुल्कों के मौजूद रहने के कारण। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों का आयात बहुत कम मात्रा में नहीं किया जा रहा है।

#### घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

66. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करने या कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल विक्री वसूली (एनएसआर) और धूति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

#### (क) कीमत कटौती

67. कीमत कटौती विश्लेषण के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग की विक्री कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयात के पहुंच मूल्य से की गई है। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयात के कीमत कटौती के प्रभाव निम्नानुसार हैं:

#### i. कीमत कटौती (समग्र रूप से संबद्ध देशों के लिए)

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
पहुंच मूल्य	रु./एमटी	330473	363437	417667	429436
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	126	130
घरेलू विक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	115	114

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	34	-28	-92
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	31	-23	-70
रेंज		0-10	0-10	(10)-0	(10)-0

**ii. कीमत कटौती (चीन जन.गण)**

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
पहुंच मूल्य	रु./एमटी	312154	340553	380364	407819
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	122	131
घरेलू बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	115	114
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	72	68	-5
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	66	56	-4
रेंज	%	10-20	0-10	0-10	(10)-0

**iii. कीमत कटौती (ताइवान)**

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
पहुंच मूल्य	रु./एमटी	375384	371460	423779	432638
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	113	115
घरेलू बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	115	114
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	5	-71	-141
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	5	-63	-122
रेंज		(10)-0	0-10	(10)-0	(10)-0

68. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के संबंध में कीमत में कटौती नकारात्मक है।

**(ख) कीमत ह्रास और न्यूनीकरण**

69. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी मात्रा तक कम करना है या कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, क्षति अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में हुए परिवर्तनों की तुलना नीचे दी गई है:

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
पहुंच मूल्य – संबद्ध देश	रु./एमटी	330473	363437	417667	429436
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	126	130
घरेलू बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	115	114
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	114	114

70. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि कीमत कठौती के समान ही घरेलू उद्योग की कीमतें भी शुरुआती दो वर्षों यानी 2020-21 और 2021-22 के दौरान न्यूनीकृत हुई थीं। तथापि, वर्ष 2022-23 और जांच की अवधि के दौरान आयात कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से अधिक थीं।

#### घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

71. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि उन उत्पादों के घरेलू उत्पादों पर पाठित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच क्षति के निर्धारण में शामिल होंगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाठित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों का उद्देश्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा और उन तत्वों का मूल्यांकन शामिल होगा जिनका बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता के उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता में वास्तविक और संभावित गिरावट सहित सभी तत्व शामिल होंगे।

72. विभिन्न तथ्यों और किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की वस्तुनिष्ठ रूप से जांच की गई है।  
**उत्पादन, क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग**

73. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
क्षमता (एमटी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	110	131
मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	153	146
उत्पादन केवल विचाराधीन उत्पाद	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	177	176
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	160	134

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	171	169

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2022-23 की तुलना में इसमें गिरावट आई है।  
**बाजार हिस्सा**
75. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि में बढ़ी है। तथापि, शुल्क लागू होने के बावजूद ताइवान से आयात में काफी वृद्धि हुई है। विवरण इस प्रकार है:

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	153	146
<b>मांग में हिस्सा</b>					
चीन से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	25	11	10
ताइवान से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	175	170	161
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	57	53
अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	160	158	133
कुल आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	78	70
घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	116

76. यह नोट किया जाता है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों की बाजार हिस्सेदारी में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है, जबकि गैर-संबद्ध देशों की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है।
77. यह भी नोट किया गया है कि शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा काफी क्षमता वृद्धि/निवेश किया गया है।  
**(ख) लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ**
78. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ नीचे तालिका में दिया गया है:-

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की
-------	-------	---------	---------	---------	---------

					अवधि
बिक्री (एमटी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	139	171	169
बिक्री मूल्य	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	145	196	193
बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	115	114
बिक्री लागत	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	148	194	193
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	114	114
लाभ/हानि	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	212	189
लाभ/हानि	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	124	112
मूल्यहास	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	95	125
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	173	168
नियोजित पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	186	213
आरओआई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	114	88

79. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि:

- क. विचाराधीन उत्पाद की मांग में निरंतर वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और आरओआई में पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- ख. लागत (रुपये/एमटी) में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2022-23 की तुलना में जांच अवधि में वृद्धि हुई है। तथापि, उसी अवधि में, बिक्री कीमत में \*\*\* रुपये/एमटी से अधिक की गिरावट आई है।
- ग. इसी प्रकार, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय ने लाभप्रदता की तरह समान प्रवृत्ति को अपनाया है। यह नोट किया जाता है कि नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है।
- (ग) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

80. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे दी गई तालिका में दी गई है:

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
-------	-------	---------	---------	---------	--------------

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	128	124
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	147	158
मजदूरी/कर्मचारी (रु.)	रु./कर्मचारी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	115	127
उत्पादन/कर्मचारी	एमटी/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	138	142

81. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बढ़ी है तथा तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में समान रही है।

(घ) मालसूची

82. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

वर्ष	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	146	154

83. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास मालसूची में पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ड.)वृद्धि

84. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन, विक्री, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता, नकद लाभ, आरओसीई के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि में नकारात्मक रही है। विवरण निम्नानुसार है:

वृद्धि	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
उत्पादन	-	***	***	***
विक्री	-	***	***	***
लाभ	-	***	***	***
नकद लाभ	-	***	***	***
आरओसीई	-	***	***	***

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

85. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जांच से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग बाजार में निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित मूल्य के आसपास ही संबद्ध सामानों को बेच रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों की मांग में काफी वृद्धि हुई है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का पाटित आयात है।

### क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा

86. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निकाली गई है और क्षति मार्जिन के परिकलन के लिए इसकी तुलना संबद्ध देशों से पहुंच कीमत से की गई है।

मूल देश और/अथवा निर्यातक देश	उत्पादक का नाम	एनआईपी (यूएसडा./एमटी )	पहुंच मूल्य (यूएसडा./एमटी )	क्षति मार्जिन (यूएसडा./एमटी )	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन % (रेंज)
चीन जन.गण.	हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कं, लिमिटेड	***	***	***	***	(0-10)
चीन जन.गण.	कोई अन्य	***	***	***	***	20-30
ताइवान	ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक.	***	***	***	***	(10-20)
ताइवान	कोई अन्य	***	***	***	***	(0-10)

87. सहयोगी उत्पादकों से क्षति मार्जिन नकारात्मक है।

### ज.2 गैर-आरोपण विश्लेषण

88. नियमावली के अनुसार, अन्य बातों के साथ-साथ यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाठित आयातों को छोड़कर कोई अन्य ज्ञात कारक भी साथ-साथ घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, ताकि इन अन्य कारकों से होने वाली क्षति को पाठित आयातों के लिए जिम्मेदार न ठहराया जा सके। इस संबंध में संगत हो सकने वाले कारकों में अन्य बातों के साथ-साथ पाठित कीमत न बढ़े गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन या खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता शामिल हैं। नीचे इस बात की जांच की गई है कि क्या पाठित आयातों को छोड़कर किन्हीं अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

### तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

89. संबद्ध देशों को छोड़कर अन्य देशों से आयात का हिस्सा या तो न्यूनतम है या आयात कीमतें काफी अधिक हैं। अतः, तीसरे देशों से आयात घरेलू उद्योग को न तो खतरा पैदा कर रहे हैं और न ही क्षति पहुंचा रहे हैं।

### निर्यात निष्पादन

90. क्षति विश्लेषण के लिए केवल घरेलू प्रचालनों के लिए आंकड़ों पर विचार किया गया है।

### प्रौद्योगिकी का विकास

91. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने भाग नहीं लिया है और न ही प्रौद्योगिकी में काफी परिवर्तन दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य दिया है जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

### कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन

92. घरेलू उद्योग केवल विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री में लगा हुआ है। तदनुसार, अन्य उत्पादों का निष्पादन न तो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है और न ही क्षति का खतरा पैदा कर रहा है।

### व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

93. संबद्ध सामानों के आयात पर किसी भी तरह से प्रतिबंध नहीं है तथा देश में इनका स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है।

#### **मांग में संकुचन तथा खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

94. वित्त वर्ष 20-21 तथा वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में जांच की अवधि में मांग में काफी वृद्धि हुई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में थोड़ी गिरावट आई है, जो अस्थायी हो सकती है। मांग में वृद्धि की समग्र प्रवृत्ति क्षति जांच अवधि में सुदृढ़ है।

#### **ज.3 क्षति और कारणात्मक संपर्क के लिए संगत कारक**

95. प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:

क. ताइवान से पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से अधिक है और काफी सकारात्मक है। चीन जन.गण. का पाटन मार्जिन सहयोगी उत्पादक के लिए नकारात्मक है, लेकिन अन्य उत्पादकों के लिए सकारात्मक है।

ख. घरेलू उद्योगों की मालसूची में काफी वृद्धि हुई है।

ग. जांच अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूँजी पर आय में गिरावट आई है।

घ. जांच अवधि के दौरान मात्रा और लाभप्रदता दोनों मापदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक है।

#### **ज.4 पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना**

##### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

96. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

क) घरेलू उद्योग ने अपनी बाजार हिस्सेदारी का विस्तार किया है, जो कुल मांग की दर से दोगुनी दर से बढ़ रही है। अतः, आयातों में कमी और घरेलू बिक्री और बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि से, यह स्पष्ट है कि आयात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, जो किसी भी मात्रात्मक प्रभाव का अभाव दर्शाता है।

ख) घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी 2020-21 में 100% से बढ़कर 2023-24 में 125% हो गई है, जो काफी वृद्धि को दर्शाता है। इसके विपरीत, संबद्ध देशों से आयात की हिस्सेदारी में 50% की काफी गिरावट आई है, जो 2020-21 में 100% से बढ़कर 2023-24 में 50% हो गई है।

ग) सभी मेट्रिक्स में उत्पादकता में काफी सुधार है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं है।

घ) निवेश पर आय में काफी सुधार हुआ है, जो 86% बढ़ गया। कुल मिलाकर, आंकड़े घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं दर्शाते।

ड.) भारी क्षमताओं की दावा की गई मौजूदगी अथवा संबद्ध देशों में विनिर्माताओं के पास अधिशेष क्षमताओं, उनकी घरेलू मांग और अन्य बाजारों में उनकी मांग के संबंध में आवेदक घरेलू उद्योगों द्वारा कोई विश्वसनीय साक्ष्य नहीं दिया गया है।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

97. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

क) हितबद्ध पक्षकार निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत के लिए आवेदन-पत्र दायर करने के लिए कानून के तहत प्रदान की गई समय-सीमा पर विचार करते हुए, किसी भी निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली संभावित जांच की अवधि से भली-भांति अवगत थे। यह उत्पादकों/निर्यातकों को भारत को अपनी बिक्री की योजना इस तरह से बनाने की अनुमति देता है, जिससे अनुकूल परिणाम प्राप्त हो। इसी कारण से दुनिया भर के जांच प्राधिकारी संभावना का विश्वेषण करते हैं और जहां संभावना सकारात्मक पाई जाती है, वहां डीजीटीआर सहित दुनिया भर के प्राधिकारियों ने जांच अवधि में संबद्ध सामानों का कोई आयात न होने पर भी शुल्क जारी रखने की सिफारिश की थी। तदनुसार, घरेलू उद्योग, प्राधिकारी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को आगे की पांच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया जाए।

- ख) व्यापार का पैटर्न पूरी तरह से बदल गया है। शुल्क लगाए जाने के बाद, चीन जन.गण. से आयात में कमी आई जबकि ताइवान से आयात में वृद्धि हुई क्योंकि चीनी उत्पादकों की तुलना में ताइवान के उत्पादकों के विरुद्ध शुल्क कम है। घरेलू उद्योग की बाजार आसूचना के अनुसार, चीनी सामान ताइवान के माध्यम से आ रहा है। इससे स्पष्ट रूप से पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना का स्पष्ट रूप से पता चलता है।
- ग) क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध सामानों की माँग में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, इस उद्योग का वृद्धि परिप्रेक्ष्य भी उज्ज्वल है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि भारत विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए एक आकर्षक बाजार है, जिसका प्रमाण इस तथ्य से भी मिलता है कि संबद्ध देशों के दो प्रमुख उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् ट्रेंड टोन इमेजिन इंक. (टीटीआई) और तियानजिन झोंगहुआन टीसीओए इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड (टीसीओए) ने अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए मूल जांच में हेरफेर का सहारा लिया। यह तथ्य मूल जांच के अंतिम जांच परिणमों में स्पष्ट रूप से दर्ज है। तदनुसार, यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं तो पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की पूरी संभावना है।
- घ) संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास बहुत अधिक अधिशेष क्षमता है। ऐसे मामले में, यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं तो पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की पूरी संभावना है।
- ड.) चीन जन.गण. के उत्पादक अन्य देशों को महत्वपूर्ण मात्रा में कम मूल्य के संबद्ध सामानों का निर्यात कर रहे हैं। चीन जन.गण. द्वारा अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यात भी भारतीय उत्पादन तथा माँग की तुलना में कई गुना अधिक हैं। ऐसे मामले में, यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं, तो कम मूल्य वाले संबद्ध माल को भारत में भेजे जाने की पूरी संभावना है।
- च) चीन जन.गण. के उत्पादकों ने ताइवान (संबद्ध देश) को बहुत कम कीमतों पर संबद्ध सामान का काफी मात्रा में निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, हम समझते हैं कि अधिकांश चीनी उत्पादकों की ताइवान में संबद्ध कंपनियों हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि चीनी उत्पादक अपना सामान ताइवान के माध्यम से भेज रहे हैं, क्योंकि ताइवान के उत्पादकों को कम शुल्क मिलता है। हमारी आशंका को मूल जांच में चीनी तथा ताइवानी उत्पादकों द्वारा की गई हेरफेरी/गलत घोषणा से भी समर्थन मिलता है। ऐसे मामले में, यदि शुल्क नहीं बढ़ाए जाते हैं, तो पाटन तथा क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की पूरी संभावना है।
- छ) अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण अमेरिका तथा यूरोप में संबद्ध सामान की माँग में भारी गिरावट आई है। ऐसे मामले में, यदि शुल्क वापस लिए जाते हैं, तो निर्यात को भारत में भेजे जाने की पूरी संभावना है।
- ज) चीन जन.गण. के उत्पादकों ने ताइवान सहित अन्य देशों को महत्वपूर्ण मात्रा में संबद्ध सामानों का निर्यात किया। घरेलू उद्योग ने संभावित पाटन और मार्जिन की परिकलन करने के लिए ताइवान को निर्यात कीमतों पर विचार किया है, जो न केवल सकारात्मक है बल्कि काफी भी है।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

98. वर्तमान जांच एक निर्णायिक समीक्षा जांच है और इस जांच का प्रयोजन पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की अनुमति दिए जाने पर पाटन के जारी रहने अथवा बार-बार होने तथा परिणामी क्षति की जांच करना है, इसके लिए यह भी विचार करना अपेक्षित है कि क्या लगाया गया शुल्क क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने के इच्छित उद्देश्य की पूर्ति कर रहा है अथवा नहीं।
99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क संरक्षण के कारण उनके निष्पादन में सुधार हुआ है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच की मूल अवधि की तुलना में आयात की मात्रा में भी गिरावट आई है। इससे घरेलू उद्योग को राहत मिली है। तथापि, संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों ने भारत में कुल माँग के संबंध में संबद्ध सामानों का महत्वपूर्ण निर्यात जारी रखा है। यह भी अनुरोध किया गया है कि पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखना जनहित में होगा तथा पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने से निश्चित रूप से घरेलू उद्योग को पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है।
100. प्राधिकारी के ध्यान में लाए गए सभी कारकों की जांच की गई है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना है। प्राधिकारी ने पाटन या

क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई विभिन्न सूचनाओं पर विचार किया है।

101. इस तरह की संभावना का विश्लेषण करने के लिए कोई विशिष्ट पद्धति उपलब्ध नहीं है। तथापि, नियमावली के अनुबंध II के खंड (vii) में अन्य बातों के साथ-साथ उन कारकों का प्रावधान है जिन्हें ध्यान में रखना अपेक्षित है, जैसे:

- क) भारत में पाठित आयातों में काफी वृद्धि दर, जो आयातों में पर्यास वृद्धि की संभावना को दर्शाती है;
- ख) निर्यातिक की क्षमता में पर्यास स्वतंत्र रूप से निपटान योग्य, या आसन्न, पर्यास वृद्धि, जो भारतीय बाजारों में पाठित निर्यातों में पर्यास वृद्धि की संभावना को दर्शाती है, किसी भी अतिरिक्त निर्यात को लेने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए;
- ग) क्या आयात उन कीमतों पर आ रहे हैं, जिनका घरेलू कीमतों पर काफी न्यूनीकरण अथवा ह्रासमान प्रभाव होगा, और आगे के आयातों की मांग में वृद्धि होने की संभावना होगी; और जांच की जा रही वस्तु की मालसूची।

102. इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने अन्य संगत कारकों की भी जांच की है जिनका पाठन जारी रहने या बार-बार होने तथा इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की संभावना पर प्रभाव पड़ता है। संभावना के मापदंडों की जांच निम्नानुसार है:

**क) संबद्ध देशों से आयातों का जारी रहना**

103. चीन जन.गण. से संबद्ध सामानों के आयात में कमी आई जबकि ताइवान से आयात में काफी वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण घरेलू मांग को पूरा करने की पर्यास क्षमता होने के बावजूद आयात निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से मह काफी रहे हैं।  
**ख) संबद्ध देशों से अधिशेष क्षमताएं**

104. उत्तरदाता हितबद्ध पक्षकारों ने अपने प्रश्नावली के उत्तर में संबद्ध देशों में प्रचलित क्षमता और उत्पादन का विवरण दिया है। घरेलू उद्योग ने साक्ष्य के साथ विभिन्न उत्पादकों की क्षमता के बारे में सूचना भी दी है। उत्तरदाता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बताई गई क्षमता और उत्पादन तथा असहयोगी उत्पादकों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विवरण को संबद्ध देशों की कुल क्षमता और उत्पादन निर्धारित करने के लिए माना जाता है। जांच के दौरान वर्ष 2023 के लिए उत्पादकों के लिए उपलब्ध कराई गई क्षमता और उत्पादन सूचना इस प्रकार है:

विवरण	चीन जन.गण.	ताइवान	मलेशिया	संबद्ध देश
क्षमता – सहयोगी उत्पादक	***	***	-	***
क्षमता – असहयोगी उत्पादक	***	-	***	***
कुल क्षमता	***	***	***	***
उत्पादन – सहयोगी उत्पादक	***	***	-	***
उत्पादन – असहयोगी उत्पादक	***	-	***	***
कुल उत्पादन	***	***	***	***
अधिशेष क्षमता – सहयोगी उत्पादक	***	***	-	***
अधिशेष क्षमता – असहयोगी उत्पादक	***	-	***	***
कुल अधिशेष क्षमता	23680	1990	1580	27251
भारतीय मांग	***	***	***	***
भारतीय मांग – सहयोगी उत्पादकों का कुल अधिशेष क्षमता %	(***)	***	-	***
भारतीय मांग – सहयोगी उत्पादकों का कुल अधिशेष	(10) -	30-50	-	10-30

क्षमता % (रेंज)	(30)			
भारतीय मांग – असहयोगी उत्पादकों का कुल अधिशेष क्षमता %	***	-	***	***
भारतीय मांग – असहयोगी उत्पादकों का कुल अधिशेष क्षमता (रेंज)	400-500	-	20-40	500-600
भारतीय मांग का कुल अधिशेष क्षमता %	***	***	***	***
भारतीय मांग का कुल अधिशेष क्षमता % (रेंज)	400-500	30-50	20-40	500-600

\*स्रोत: घरेलू उद्योग के आवेदन-पत्र और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातिकों द्वारा दायर उत्तर से

105. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास अतिरिक्त क्षमता निरपेक्ष रूप से तथा भारतीय मांग के संबंध में भी काफी है। संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास लगभग \*\*\* एमटी की अतिरिक्त क्षमता है जो भारतीय मांग का लगभग \*\*\* गुना है।

#### ग) निर्यातोन्मुखता

106. जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. और ताइवान से उत्तरदाताओं द्वारा किए गए निर्यात की तुलना उनकी विचाराधीन उत्पाद की कुल बिक्री से की गई है। नीचे दी गई तालिका तथ्यात्मक सूचना दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	हान्डान हांगुआंग ओएटोनर कं. लि., चीन जन.गण.	ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक., ताइवान
1	विचाराधीन उत्पाद की कुल बिक्री	एमटी	***	***
2	विचाराधीन उत्पाद का कुल निर्यात	एमटी	***	***
3	विचाराधीन उत्पाद की कुल बिक्री का विचाराधीन % का निर्यात	%	***	***
4	विचाराधीन उत्पाद की कुल बिक्री का विचाराधीन % का निर्यात (रेंज)	%	10-30	80-100

107. उत्तरदाता निर्यातिकों द्वारा सूचित किए गए कुल निर्यात ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक., ताइवान के लिए \*\*\*% और हंडन हांगुआंग ओएटोनर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण के लिए \*\*\*% के बराबर हैं। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में, इस बात की संभावना है कि पाटित कीमतों पर तीसरे देश के निर्यात पर भारत में भेजे जा सकते हैं।

#### घ) तीसरे देश का पाटन

108. घरेलू उद्योग ने चीन जन. गण. से निर्यात के संबंध में यह दर्शनी के लिए सूचना दी है कि चीन जन. गण. में उत्पादक साक्ष्य के साथ पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को संबद्ध सामानों की काफी मात्रा में निर्यात कर रहे हैं। तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. और ताइवान से उत्तरदाताओं द्वारा तीसरे देशों को किए गए निर्यातों का विश्लेषण किया है और उनकी तुलना चीन के लिए निर्धारित निर्मित सामान्य मूल्य और ताइवान के सामान्य मूल्य के साथ उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातिकों द्वारा सूचित किए गए निर्यात कीमत से की है। नीचे दी गई तालिका तथ्यात्मक सूचना दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	हान्डान हांगुआंग ओएटोनर कं. लि., चीन जन.गण.	ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक., ताइवान	वित्त वर्ष 2023-24
1	तीसरे देश को पाटित निर्यात	एमटी	***	***	***

2	तीसरे देश को कुल निर्यात	एमटी	***	***	***
3	भारतीय मांग	एमटी	***	***	***
4	तीसरे देश को निर्यातों में पाटित निर्यात %	%	***	***	***
5	तीसरे देश को निर्यातों में पाटित निर्यात % (रेंज)		50-70	80-100	60-80
6	भारतीय मांग के लिए पाटित निर्यात का %	%	***	***	***
7	भारतीय मांग के लिए पाटित निर्यात का % (रेंज)		30-50	20-40	50-70

स्रोत : सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों पर आधारित

109. उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा सूचित कुल निर्यात मात्रा \*\*\* एमटी है। इनमें से \*\*\*% निर्यात पाटित कीमत पर किए गए हैं। यह मात्रा भारतीय मांग का \*\*\*% है। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में, ये तीसरे देश के पाटित निर्यात भारत में भेजे जा सकते हैं।

#### ड.) निर्यात की क्षतिकारक मात्रा

110. घरेलू उद्योग ने चीन जन. गण. से निर्यात के संबंध में सूचना यह दर्शाने के लिए दी है कि चीन जन. गण. में उत्पादक भारत के लिए क्षतिकारक कीमतों पर तीसरे देशों को संबद्ध सामानों का काफी मात्रा में साक्ष्य के साथ निर्यात कर रहे हैं। तथापि, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. और ताइवान के सहयोगी उत्पादकों द्वारा सूचित तीसरे देशों को निर्यातों पर विचार किया है। उत्तरदाताओं द्वारा किए गए निर्यात की कीमत की तुलना जांच अवधि और क्षति अवधि के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से की गई है। नीचे दी गई तालिका तथ्यात्मक सूचना दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	हान्डान हांगुआंग ओए टोनर कं. लि., चीन जन.गण.	ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक., ताइवान	वित्त वर्ष 2023-24
1	तीसरे देश को क्षतिकारक निर्यात	एमटी	***	***	***
2	तीसरे देश को कुल निर्यात	एमटी	***	***	***
3	भारतीय मांग	एमटी	***	***	***
4	तीसरे देश को निर्यात के लिए क्षतिकारक निर्यात %	%	***	***	***
5	तीसरे देश को निर्यात के लिए क्षतिकारक निर्यात % (रेंज)	%	50-70	0-20	40-60
6	भारतीय मांग के लिए क्षतिकारक निर्यात %	%	***	***	***
7	भारतीय मांग के लिए क्षतिकारक निर्यात % (रेंज)	%	30-50	0-20	40-60

111. उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा सूचित कुल निर्यात \*\*\* एमटी है। इनमें से \*\*\*% निर्यात क्षतिकारक कीमत पर हैं जो भारतीय मांग के संबंध में लगभग \*\*\*% हैं। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में, ये तीसरे देश के निर्यात भारत में जा सकते हैं, जिससे घरेलू उद्योग को अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए क्षतिकारक कीमत पर विचाराधीन उत्पाद बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और अंततः हानि उठानी पड़ेगी।

#### च) भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता

112. घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. से अन्य देशों को निर्यातों के संबंध में यह दर्शाने के लिए सूचना दी है कि चीन जन.गण. में उत्पादक संबद्ध सामानों का माफी मात्रा में निर्यात तीसरे देशों को उस कीमत से कम कीमत पर कर रहे हैं, जिस कीमत पर संबद्ध सामान भारत को निर्यात किए जा रहे हैं। तथापि, प्राधिकारी ने उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दी की गई सूचना की जाँच की है। उत्तरदाताओं द्वारा भारत को निर्यात की गई संबद्ध सामानों के निर्यात कीमत की तुलना तीसरे देशों को उनके निर्यात कीमत से की गई है। नीचे दी गई तालिका तथ्यात्मक सूचना दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	वित्त वर्ष 2023-24
1	भारत को कीमतों से कम कीमत पर निर्यात	एमटी	***
2	तीसरे देश को कुल निर्यात	एमटी	***
3	भारतीय मांग	एमटी	***
4	तीसरे देश को भारत की कीमत से कम निर्यात %	%	***
5	तीसरे देश को भारत की कीमत से कम निर्यात % (रेंज)		30-50
6	भारतीय मांग को भारत की कीमत से कम निर्यात %	%	***
7	तीसरे देश को भारत की कीमत से कम निर्यात % (रेंज)		30-50

113. उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा सूचित कुल निर्यात \*\*\* एमटी है। इनमें से \*\*\*% निर्यात उस स्तर से कम कीमत पर किया गया है जिस पर भारत को सामान निर्यात किया जा रहा है। यह मात्रा कुल भारतीय मांग के संबंध में \*\*\*% है। उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में, वर्तमान में अन्य देशों को निर्यात किए जाने वाले संबद्ध सामान के भारत में भेज जाने की संभावना है।

#### झ. प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियां

114. प्राधिकारी ने मामले के आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करते हुए दिनांक 22.04.2025 को एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया और सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित कीं। हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटीकरण के उपरांत अनुरोध प्राप्त हो गए हैं। उठाए गए अधिकांश मामले पहले ही उठाए जा चुके मामलों की पुनरावृत्ति हैं जिन्हें प्रकटीकरण विवरण में समुचित रूप से शमिल कर लिया गया है। अतिरिक्त अनुरोधों की संगत समझी गई सीमा तक जांच की गई है, जो इस प्रकार है :

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

115. ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक. के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक है। इसी प्रकार से, ताइवान के अन्य सभी निर्यातकों के लिए भी क्षति मार्जिन नकारात्मक पाया गया है। हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन भी नकारात्मक हैं। पाटनरोधी जांचों को शासित करने से संबंधित संगत विधि और विधिक व्यवस्था के अनुसार, पाटनरोधी शुल्क लगाना अथवा जारी रखना केवल ऐसे मामलों में ही उचित है, जहां पर घरेलू उद्योग को पाटित किए गए आयातों के कारण वास्तविक क्षति होती हो।
116. अंतिम जांच परिणाम में उत्पादकों/ निर्यातकों के नाम को "हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड" और "एच जी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड" के रूप में उल्लिखित किया जाना चाहिए।
117. आवेदक घरेलू उद्योग के संगत पक्षकार द्वारा संबंध और विचाराधीन उत्पाद के आयातों की गलत घोषणा और आवेदकों की स्थिति का गलत निर्धारण करने के साथ्य को अनदेखा किया गया है।

118. विचाराधीन उत्पाद के दायरे को परिभाषित करने और उचित तुलना पद्धति को अपनाने में विफलता के परिणामस्वरूप ताइवान से असामान्य रूप से अधिक पाटन मार्जिन का विवेकहीन निर्धारण हुआ है, जबकि उसी देश से क्षति मार्जिन नकारात्मक है।
119. इस तथ्य के बावजूद कि आवेदक घरेलू उद्योग की यह स्वीकार्य स्थिति यह है कि उसे वर्तमान में किसी वास्तविक क्षति का सामना करना नहीं पड़ा है और उनका पूरा दावा पुनरावृत्ति किए जाने की संभावना के आधार पर है, अतः प्रकटीकरण में वास्तविक क्षति की तलाश प्रतीत होती है, जबकि ऐसी कोई क्षति नहीं हुई है।
120. पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति किए जाने की संभावना का दावा किसी भरोसेमंद साक्ष्य और उसके विश्लेषण के स्थान पर उसके अनुमानों पर आधारित है, जबकि क्षति जांच के दौरान मात्रा और कीमत के संबंध में सूचना से इस बात का संकेत मिलता कि निकट भविष्य में ऐसे आयातों के चलते पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है।
121. मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं का कोई उत्पादन नहीं है और साथ ही कोई निर्यात भी नहीं है। इस संबंध में संगत सूचना प्रतिवादी आयातक द्वारा मौखिक सुनवाई के उपरांत लिखित अनुरोधों में प्रस्तुत की गई थी। प्राधिकारी द्वारा इस पहलू की जांच और उसका प्रतिवाद भी नहीं किया गया है। अतः यह माना जाता है कि मलेशिया को इस जांच के दायरे से बाहर रखा जा रहा है।
122. प्राधिकारी को मामलों/ निर्धारण पर पुनः विचार करना चाहिए क्योंकि न तो वर्तमान में पाटन/ क्षति है और न ही संबद्ध देशों से पाटन/ क्षति की पुनरावृत्ति किए जाने की कोई संभावना है। प्राधिकारी को आम जन हित में पाटनरोधी शुल्क को हटा लेना चाहिए।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

123. घरेलू उद्योग में केवल एमएसएमई कंपनियां शामिल हैं और शुल्कों की सिफारिश करने तथा घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित किए गए आयातों से बचाने के लिए वह प्राधिकारी के प्रति आभारी है, जिसके कारण घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार हुआ, यद्यपि प्रारंभिक वर्षों में हुआ है।
124. शुल्कों के लागू होने के उपरांत घरेलू उद्योग द्वारा महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि/ निवेश किया गया, जिससे घरेलू उद्योग भारत की कुल मांग की पूर्ति करने के लिए आत्मनिर्भर हो गया, अर्थात् मांग और आपूर्ति में कोई अंतर नहीं रहा है। उद्योग ने एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार में भी वृद्धि की है, जिस पर घरेलू उद्योग द्वारा महत्वपूर्ण निवेश/ क्षमता वृद्धि होने के कारण काफी समय से दबाव था।
125. घरेलू उद्योग ने मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 (1ख) के अनुसार आवेदन दायर किया है।
- 126.. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर विचार करने का सही निर्णय लिया है, जैसा कि मूल जांच में था, क्योंकि यह जांच एक निर्णयक समीक्षा जांच है।

127. आवेदक पात्र घरेलू उद्योग हैं, जैसा कि प्रकटीकरण विवरण के पैरा संख्या 21 में प्राधिकारी द्वारा भी माना गया है। बिना किसी पूर्वाग्रह के, यह अनुरोध किया जाता है कि निर्णायक समीक्षा जांच में आधार की आवश्यकता लागू नहीं होती है।
- 128.. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध । के पैरा 7 के अनुसार चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सही ढंग से किया है, क्योंकि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों पर अनुपूरक प्रश्नावली दाखिल नहीं की है।
- 129.. यह अनुरोध किया जाता है कि नीचे दिए गए तथ्यों पर विचार करते हुए ट्रेंड टोन इमेजिंग, इंक. को व्यक्तिगत शुल्क प्रदान न किया जाएः
- क) ट्रेंड टोन इमेजिंग इंक. (टी टी आई) ने अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए मूल जांच में हेराफेरी करने का सहारा लिया। यह तथ्य मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में स्पष्ट रूप से दर्ज है। ऐसे मामले में, इस बात की पूरी संभावना है कि टी टी आई ने अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए भारत को अपनी निर्यात कीमतों में हेराफेरी की हो, क्योंकि निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करने के लिए आवेदन दाखिल करने के लिए कानून के तहत प्रदान की गई समय सीमा पर विचार करते हुए जांच की अवधि और क्षति की अवधि का अनुमान लगाना संभव है।
- ख) प्राधिकारी ने मूल जांच में टी टी आई को अवशिष्ट शुल्क प्रदान किया है। किसी उत्पादक/ निर्यातक को व्यक्तिगत शुल्क दिए जाने से कदाचार को बढ़ावा मिलेगा।
- ग) संभावित पाटन और क्षति मार्जिन न केवल सकारात्मक है बल्कि टी टी आई के लिए महत्वपूर्ण भी है।
- घ) टी टी आई को व्यक्तिगत शुल्क प्रदान किए जाने का तात्पर्य यह होगा कि प्राधिकारी ने इसे एक नए शिपर के रूप में माना है। यह अनुरोध किया गया है कि माननीय प्राधिकारी ने कई जांचों के बाद एक नए शिपर को अवशिष्ट शुल्क प्रदान किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हेराफेरी की कोई भी संभावना न हो।
130. नकारात्मक अथवा कम पाटन/ क्षति मार्जिन एक निर्णायक समीक्षा जांच में महत्वपूर्ण नहीं है, जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट हैः
- क) नकारात्मक अथवा कम पाटन मर्जिन/ क्षति मार्जिन होने अथवा घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार होने का यह तात्पर्य यह नहीं है कि पाटन/ क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति किए जाने की कोई संभावना नहीं है, और इसलिए, शुल्क वापस लिए जाने चाहिए। निर्णायक समीक्षा में, प्राधिकारी को आयात की मात्रा और कीमत पर शुल्क की समाप्ति के संभावित प्रभाव का आकलन करने के लिए एक संभावित विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन पर इसके परिणामी प्रभाव का आकलन किए जाने की आवश्यकता होती है।
- ख) यदि निर्णायक समीक्षा जांच का परिणाम पाटन/ क्षति मार्जिन अथवा घरेलू उद्योग के प्रदर्शन की मात्रा के आधार पर होगा, तो उत्पादक/ निर्यातक निर्णायक समीक्षा जांच में अपनी निर्यात कीमतों में हेराफेरी करना आरंभ कर देंगे क्योंकि क्षति की अवधि का अनुमान लगाना संभव है।
- ग) वर्तमान जांच में, यदि शुल्कों की समाप्ति कर दी जाती है, तो घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति किए जाने की काफी संभावना है, जैसा कि प्रकटीकरण विवरण से स्पष्ट रूप से प्रमाणित हो जाता है।
- घ) यदि शुल्कों की समाप्ति कर कर दी जाती है, तो घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति किए जाने की काफी संभावना है, जैसा कि प्रकटीकरण विवरण से स्पष्ट रूप से प्रमाणित हो जाता है।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

131.. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण विवरण के उपरांत की टिप्पणियों की जांच की है, जिसमें ऐसी पुनरावृत्तियां भी शामिल हैं, जिनके संबंध में पहले ही समुचित रूप से जांच की जा चुकी है और इन अंतिम जांच परिणामों के संगत पैरा में पर्याप्त रूप से शामिल कर लिया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण विवरण के उपरांत की टिप्पणियों/ अनुरोधों में उठाए गए मामलों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए मामलों की जांच गई है जो नीचे दी गई है:

- क) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि सहयोगी उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक है और इसलिए, शुल्क उचित नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है। प्राधिकारी को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार शुल्क हटाए जाने की स्थिति में आयातों की मात्रा और कीमत पर शुल्क की समाप्ति के संभावित प्रभावों और घरेलू उद्योग के प्रदर्शन पर इसके परिणामी प्रभावों का आकलन करने के लिए एक संभावित विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है। संभावना विश्लेषण पाठनरोधी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में पाठन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना को दर्शाता है।
- ख) जहां तक घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में पक्षकारों के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने वर्तमान जांच परिणामों के संगत पैरा में आयातक आदि के साथ संबंध होने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मामलों की विस्तार से जांच की है।
- ग) जहां तक सार्वजनिक हित के संबंध में अनुरोध का संबंध है, इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य जन के हित का आकलन करना आवश्यक है जिसमें अपस्ट्रीम उद्योग, घरेलू उद्योग के साथ-साथ उपयोगकर्ता उद्योग भी शामिल हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि व्यवहार्य घरेलू आपूर्तिकर्ताओं की निरंतर उपस्थिति सार्वजनिक हित में होगी।
- घ) हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है और न ही पाठन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन मामलों की वर्तमान जांच परिणामों के पूर्ववर्ती पैरा में विस्तार से जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तत्काल पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। प्राधिकारी ने ऐसे विश्लेषण के लिए संगत पद्धति के अनुसार कीमत आर्कषण, तीसरे देश से पाठन और क्षतिमारी निर्यातों की जांच की है। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदा-वार आंकड़ों का हवाला दिया है ताकि संबद्ध देशों से तीसरे देशों के लिए निर्यात कीमतों पर विचार करके भारत को निर्यात भेजे जाने की आशंका का आकलन किया जा सके, जो भारत को निर्यातों की कीमत और एनआईपी से कम है। संभावना के विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाठनरोधी शुल्कों की समाप्ति होने की स्थिति में पाठन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- इ) जहां तक शुल्क की दरें अलग-अलग होने का संबंध है, इस संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है, अतः यहां जांच की जाने वाली मुख्य बात पाठन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इस प्रकार, प्राधिकारी ऐसे उत्पादक/ निर्यातक के लिए नए पाठनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित नहीं समझते हैं, जिसके उत्तर को मूल जांच में स्वीकार नहीं किया गया था।
- च) कुछ आयातकों द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि मलेशिया को जांच के दायरे से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि उस देश में संबद्ध वस्तुओं का कोई उत्पादन नहीं होता है और कोई निर्यात नहीं होता है, यह नोट किया जाता है कि मलेशिया में अधिशेष क्षमता भारतीय मांग का 29% है। इसके अलावा, न तो मलेशिया सरकार ने और न ही किसी सहयोगी उत्पादक/ निर्यातक ने इस मामले के संबंध में कोई अनुरोध दाखिल किया है। ऐसे मामले में, शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में पाठन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की पूरी संभावना है।

छ) अंतिम जांच परिणाम में नाम परिवर्तित "हैंडन हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड" और "एचजी टेक्नोलॉजीज कंपनी लिमिटेड" किए जाने के अनुरोध के संबंध में, यह नोट किया गया है कि दोनों कंपनियां ग्रुप कंपनियां हैं। तदनुसार, शुल्क तालिका में नामों का सही उल्लेख कर दिया गया है।

### ज. भारतीय उद्योग के हित और अन्य सुदृढ़

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

132. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित में नहीं है, क्योंकि घरेलू उद्योग का कुल उत्पादन भारत में उक्त उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, जो 18% प्रति वर्ष की तीव्र दर से बढ़ रहा है।
- ख) सामान्य जनहित में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किया जाए जिससे प्रतिस्पर्धी कीमतों पर गुणवत्ता वाले उत्पादों के आयात की अनुमति दी जा सके, ताकि घरेलू प्रयोक्ता घरेलू और वैश्विक बाजार में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धी कर सकें।

#### घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

133. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि अंतिम प्रयोग के उत्पाद पर शुल्क का प्रभाव नगण्य है। पाटनरोधी शुल्क जारी रखना जनहित में होगा और पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने से निश्चित रूप से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के काफी सीमा तक जारी रहेगी और बार-बार होगी। यदि शुल्क जारी नहीं रखे जाते हैं, तो घरेलू उद्योग द्वारा किया गया महत्वपूर्ण निवेश खतरे में पड़ जाएगा और रोजगार की क्षति होगी।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

134. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या पाटनरोधी शुल्क बढ़ाए जाने से जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए, प्राधिकारी ने जांच की कि क्या जांच के तहत उत्पाद के आयात पर पाटनरोधी शुल्क बढ़ाया जाना व्यापक जनहित के विरुद्ध होगा। यह निर्धारण रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और घरेलू उद्योग, आयातकों और उत्पाद के उपभोक्ताओं सहित विभिन्न पक्षकारों के हितों पर विचार करने के आधार पर किया गया।

135. प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने उपभोक्ताओं के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की है, ताकि वे वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान कर सकें, जिसमें उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्क के संभावित प्रभाव भी शामिल हैं। प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ-साथ, विभिन्न देशों के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की परस्पर परिवर्तनीयता, उपभोक्ताओं की स्रोतों को बदलने की क्षमता, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव, ऐसे कारकों के बारे में सूचना मांगी है, जो पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न नई स्थिति के लिए समायोजन को तेज या विलंबित कर सकते हैं।

136. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी उपायों का उद्देश्य, सामान्य रूप से, पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को फिर से स्थापित किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों के जारी रहने से विचाराधीन उत्पाद के मूल्य स्तरों के साथ-साथ भारत में संबद्ध सामानों का उपयोग करके निर्मित अन्य निचले स्तर के उत्पादों पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, पाटनरोधी उपायों के लगाए जाने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को जारी रखने से घरेलू उद्योग को संबंधित देशों से कम कीमत वाले आयातों से सुरक्षा मिलेगी और विचाराधीन उत्पाद के उपभोक्ताओं के लिए विकल्पों की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

137. प्राधिकारी ने एक आर्थिक हित प्रश्नावली निर्धारित की थी जिसे इस समीक्षा जांच में सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेजा गया था। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आर्थिक हित प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

138. यह भी नोट किया है कि देश में मांग और आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क आयात को रोकने के लिए नहीं लगाए जाते हैं, बल्कि घरेलू बाजार में समान अवसर पैदा करने के लिए लगाए जाते हैं।

हैं। विचाराधीन उत्पाद का प्रयोक्ता उद्योग उचित कीमतों पर आयात करना जारी रख सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रयोक्ता उद्योग के लिए एक अर्थक्षम घरेलू उद्योग की मौजूदगी आवश्यक है ताकि वह आयातों पर अत्यधिक निर्भर होने से बच सकें जिससे आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के अत्यधिक अवसर होते हैं।

#### ट. निष्कर्ष

139. उपरोक्त जांच परिणामों में दर्ज किए गए अनुसार दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और प्रस्तुत किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

- i. हांडन हंगुआंग ओए टोनर कंपनी लिमिटेड के अलावा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निरंतर रूप से महत्वपूर्ण पाटन हो रहा है तथा शुल्कों की समाप्ति होने की स्थिति में आयातित वस्तुओं के भारतीय बाजार में पाटित की गई कीमतों पर प्रवेश करने की संभावना है।
- ii. यद्यपि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में आधार वर्ष से 2022-23 तक सुधार आया है, लेकिन जांच की अवधि के दौरान इसके प्रदर्शन में गिरावट आई है और इस प्रकार, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग असुरक्षित बना हुआ है। इसलिए, शुल्कों की समाप्ति होने की स्थिति में क्षति होने की संभावना है।
- iii. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि यदि इस स्तर पर, लागू पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किए जाने की अनुमति दी जाती है, तो पाटन और क्षति के जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने की संभावना है। डेटा के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के साथ-साथ संबद्ध देशों से तीसरे देशों को भाग लेने वाले उत्पादकों द्वारा निर्यात की महत्वपूर्ण मात्रा घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत, भारत को उनकी निर्यात कीमत और घरेलू कीमतों से कम है, जो यह दर्शाता है कि यदि मौजूदा पाटनरोधी उपाय समाप्त हो जाता है, तो इन देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात भारत में आ जाने की काफी संभावना है।

#### ठ. सिफारिशें

- 140.. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित कर दिया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों/ उपयोगकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध तथा पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था।
141. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किए जाने की अनुमति दी जाती है तो पाटन और क्षति की संभावना के सकारात्मक साक्ष्य हैं, अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को आगे भी जारी रखने की आवश्यकता है। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के अनुसार संबद्ध देशों के उत्पादकों के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाती है।
142. इन परिस्थितियों में, निर्दिष्ट प्राधिकारी दिनांक 05 मार्च, 2021 की अधिसूचना सं. 12/2021- सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत लगाए गए मौजूदा निर्णयक पाटन रोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश

करना उचित समझते हैं। अतः नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के समान पाटन रोधी शुल्कों को, संबद्ध देशों से शुल्क तालिका के कॉलम 3 में दिए गए विवरण के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पांच साल की आगे की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

### शुल्क तालिका

क्र सं	एचएस कोड	वस्तुओं का विवरण *	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई अन्य देश	क) हान्डान हंगुआंग ओए टोनर कं, लिमिटेड बी) एचजी टेक्नोलॉजीज कं, लिमिटेड	1167	मी. टन	यूएस डॉलर
2	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई अन्य देश	क्रम सं 1 के अलावा कोई अन्य देश	1458	मी. टन	यूएस डॉलर
3	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	चीन जन. गण. मलेशिया और ताइवान के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई	1458	मी. टन	यूएस डॉलर
4	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	मलेशिया	मलेशिया सहित कोई अन्च देश	कोई	1568	मी. टन	यूएस डॉलर

5	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	मलेशिया, चीन जन. गण और ताइवान के अलावा कोई अन्य देश	मलेशिया	कोई	1568	मी. टन	यूएस डॉलर
6	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	ताइवान	ताइवान सहित कोई अन्च देश	कोई	159	मी. टन	यूएस डॉलर
7	3707	पाउडर रूप में ब्लैक टोनर*	ताइवान, चीन जन. गण और मलेशिया के अलावा कोई अन्य देश	ताइवान	कोई	159	मी. टन	यूएस डॉलर

\*पाउडर रूप में ब्लैक टोनर, जिसमें निम्नलिखित शामिल

नहीं हैं:

- i. कलर टोनर
- ii. एमआईसीआर टोनर (चैक में प्रिंटिंग के लिए प्रयुक्त विशिष्ट टोनर)
- iii. प्रिंटिंग उपकरणों के मूल उपकरण निर्माता द्वारा प्रयोग के लिए आयातित टोनर
- iv. काट्रिज में टोनर
- v. लिंकिंग रूप में टोनर

#### उ. आगे की प्रक्रिया

143. इस सिफारिश के कारण केंद्रीय सरकार के आदेश के खिलाफ की जाने वाली कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

दर्पण जैन, निर्दिष्ट प्राधिकारी, नामित प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(Directorate General of Trade Remedies)**New Delhi the 6<sup>th</sup> May, 2025**FINAL FINDINGS****CASE NO. ADD-AD(SSR) - 04/2024**

**Subject:** Sunset Review of Anti-dumping investigation concerning imports of "Black Toner in powder form" originating in or exported from China PR, Malaysia and Taiwan

**F. No. 7/12/2024 -DGTR.**— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “AD Rules”) thereof.

The Designated Authority (hereinafter referred to as “the Authority”) received an application from M/s Pure Toners and Developers Pvt Ltd and M/s. Indian Toners and Developers Ltd (hereinafter referred to as the “applicants” or the “domestic industry”) seeking initiation of a sunset review of the anti-dumping duty imposed on imports of “Black Toner in powder form” or the “subject goods” or “product under consideration” or the “PUC”, originating in or exported from China PR, Malaysia and Taiwan (hereinafter referred to as the “subject countries”).

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. The original investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries was initiated by the Authority *vide* Notification No. 6/6/2020 - DGTR dated 10<sup>th</sup> February, 2020. The Authority issued Preliminary Finding *vide* Notification No 6/6/2020-DGTR, dated 18 June, 2020, recommending imposition of provisional Anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from subject countries. The provisional anti-dumping duty was imposed by Ministry of finance *vide* notification number 22/2020-Customs (ADD) dated 10th August, 2020.
2. Thereafter, the Final Findings were issued by the Authority *vide* Notification No. 6/6/2020-DGTR, dated 28<sup>th</sup> January, 2021, recommending imposition of Anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from subject countries. The anti-dumping duty was imposed by Ministry of finance *vide* notification number 12/2021-Customs (ADD) dated 05<sup>th</sup> March, 2021 w.e.f from the date of imposition of the provisional anti-dumping duty i.e., 10<sup>th</sup> August, 2020.
3. On the basis of the duly substantiated application, and having satisfied itself, on the basis of the *prima facie* evidence submitted by the domestic industry, substantiating the likelihood of continuation/ recurrence of dumping and injury, and in accordance with Section 9A(5) of the Act read with Rule 23(1B) of the Rules, the Authority initiated the investigation on 30.09.2024 to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to examine whether

the expiry of existing anti-dumping duty is likely to lead continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.

## B. **PROCEDURE**

4. The following procedure has been followed with regard to this investigation:
  - a) The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
  - b) The Authority issued a public notice dated 30.09.2024 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.
  - c) The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries and known importers/users as per the addresses made available by the Applicants and requested them to make their views known, in writing, within the prescribed time limit.
  - d) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
  - e) The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from their countries.
  - f) The Authority sent Exporter's questionnaires to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
    - i. Hubei Far East, China PR
    - ii. Wuhan Point Role, China PR
    - iii. Handan Hangguang, China PR
    - iv. Wuxi jatieng, China PR
    - v. Dinglong, China PR
    - vi. Nanjing Teshine, China PR
    - vii. Comet, China PR
    - viii. Wuhan Techwin Toner and Developer Limited, China PR
    - ix. Jadi, Malaysia
    - x. TTI, Taiwan
  - g) The producers/exporters from the subject countries who have not submitted the questionnaire response or have not cooperated in the investigation have been treated as non – cooperative in the investigation.
  - h) The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
    - i. Vedica Computer Pvt. Ltd.
    - ii. Datalink industrial corporation
    - iii. Atul Automation Private Ltd.

- iv. Cartridgewala.com
  - v. Copytron Technology
  - vi. Indrayani Sales Pvt. Ltd.
  - vii. Best Mega international
  - viii. Sumanglam international private limited
  - ix. Rank office automation P Ltd.
  - x. Image Star Print Solutions Pvt Ltd
- i) The Authority, upon request, granted extension to file the respective questionnaire responses till 17<sup>th</sup> November 2024.
- j) In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response:

**China PR**

- i. HG Technologies Co. Ltd
- ii. Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd

**Taiwan**

- i. Trend Tone Imagine Inc.
- k) In response, only Indigo Prints Smart Pvt Ltd. filed importer's questionnaire response/legal submissions. Exporters, foreign producers and other interested parties who have not responded to or not supplied relevant information to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- l) The Authority made available the non-confidential version of the submissions made by the various interested parties. A list of all the interested parties was uploaded on the DGTR website along with request to all of them to email non-confidential version of their submissions to all other interested parties
- m) Request was made to the DG System to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DG System Data for computation of the volume of imports and its analysis after due examination of the transactions.
- n) The Non-Injurious Price (NIP) has been determined based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic Industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- o) The Period of Investigation for the purpose of the present anti-dumping investigation is from 1st April, 2023 to 31st March, 2024 (12 Months). The injury investigation period has been considered as the period from April 2020 - March 2021, April 2021- March 2022, April 2022 - March 2023 and the POI.
- p) The Authority, during the course of the investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties, which forms the basis of this final finding, to the extent possible and verified the data documents submitted by the domestic industry and the interested parties to the extent considered relevant, practicable and necessary.
- q) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the

confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

- r) In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally through an oral hearing held on 18<sup>th</sup> February, 2025. All the registered interested parties who had attended the oral hearing were also provided an opportunity to file written submissions, followed by rejoinders, if any.
- s) A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation was issued to the interested parties on 22.04.2025 and the interested parties were allowed time upto 29.04.2025 to comment on the same. The comments on Disclosure Statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- t) Desk verification was carried out by the Authority to verify the information filed by the domestic industry and other interested parties. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of final finding.
- u) “\*\*\*\*” Sign, in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- v) The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US\$= Rs. 83.70.

### C. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

- 5. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as:
  - a) The product under consideration is Black Toner in powder form. Toner is used in laser printers, photocopiers, digital multifunction devices (MFD), etc. to form the printed text and images on the paper.
  - b) The PUC is classified under Chapter Heading 37 "Photographic or cinematographic goods" of the Customs Tariff Act. The classification at the 8-digit level is 37079010. However, it has been also noted from the import data that the subject goods were also imported under 37079090. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the product under consideration.
  - c) The following Toners are not covered within the scope of the investigation:
    - i. Color Toner
    - ii. MICR Toner (Specialized Toner used for printing in Cheques)
    - iii. Toners imported for the use by Original Equipment Manufacturers of Printing Equipment
    - iv. Toner in Cartridge
    - v. Toner in liquid form

### **Submissions of Other Interested Parties**

- 6. All the toner types not manufactured by the domestic industry need to be excluded from the scope of the investigation even if it is a sunset review. The error committed in the original investigation should not be allowed to be carried forward in this investigation.

7. The Authority must determine a suitable PCN methodology for ensuring apple to apple comparison between the domestic products and imported products and for fair determination of dumping and injury margins.

### **Submissions by the Domestic Industry**

8. The submissions made by the Domestic Industry with regard to product under consideration and like article are as follows:

- a) The Product under Consideration in the present application is "Black Toner in powder form". It is used in laser printers, photocopiers, digital multifunction devices (MED), etc. to form the printed text and images on the paper.
- b) The following Toners are not covered in the scope of the investigation:
  - i. Color Toner
  - ii. MICR Toner (Specialized Toner used for printing in Cheques)
  - iii. Toners imported for the use by Original Equipment Manufacturers of Printing Equipment
  - iv. Toner in Cartridges
  - v. Toner in liquid form
- c) The product under consideration is classified under Chapter Heading 37 of the Customs Tariff Act. The classification at the 8-digit level is 37079010. However, it has been noted from the import data that the subject goods were also imported under 37079090 HS code.
- d) There is no difference in product produced by the Applicants and that exported from the subject countries.
- e) As per the settled jurisprudence and the past practices of the Authority, the Product under Consideration remains the same as defined in the original notification since the present investigation is a sunset review investigation. The Authority has also categorically noted the same in para no. 6 of the initiation notification of the present investigation. The text of the same is reproduced below.

*The present petition being for sunset review investigation, as per the settled jurisprudence and the past practices of the Authority, the Product under Consideration remains the same as defined in the original notification.*

- f) In terms of para no. 28 of the initiation notification of the present investigation, any information relating to the present investigation should be sent to the Designated Authority within 30 days from the date of the receipt of the notice as per the Rule 6(4) of the Rules. However, no comments were filed by any interested parties on the issue of PUC and, therefore, the contention of the said party cannot be entertained at this stage of the investigations.
- g) The issue of PCNs has not been raised by any of the cooperating producers / exporters. Only an importer namely M/s Indigo Prints Smart Pvt Ltd. has raised the issue, *albeit* at such a belated stage of the investigations.
- h) Certain interested parties had raised the issue of PCN in the original investigation. However, the Hon'ble Authority rightly rejected their claim since no evidences were filed to show significant variation between the cost and prices among various grades / types. The relevant excerpts from the final findings of the original investigation are provided below.

*Para 14(c) of original Final Findings*

*Some of the interested parties have requested to adopt the PCN methodology. The Authority notes that the interested parties have not provided evidences to show significant variation between the cost and prices among various grades / types. The PCN methodology is required only in cases where there are multiple grades and forms of the PUC/like article and there is a substantial cost and price difference between these grades and forms. Accordingly, after examining the contentions of various interested parties, it has been found appropriate not to carry out PCN wise analysis in the present investigation.*

### **Examination by the Authority**

9. The submissions made by the Domestic Industry and other interested parties with regard to the PUC related issues have been examined and addressed as under:
  - a) It has been noted that certain interested parties have claimed exclusion of certain grades / types of the subject goods from the product under consideration without providing any basis or evidences for such claims. This issue had already been examined in the original investigation. Therefore, the Authority does not find any merit in their claims for exclusion.
  - b) M/s Indigo Prints Smart Pvt Ltd., an importer has requested to adopt the PCN methodology. It is noted that none of the cooperating producers / exporters requested to adopt PCN methodology. The PCN methodology is required only in cases where there are multiple grades and forms of the PUC/like article and there is a substantial cost and price difference between these grades and forms. The Authority notes that the importer has not provided evidence to show significant variation between the cost and prices among various grades / types. Accordingly, after examining the contentions of the importer, it has been found appropriate not to carry out PCN wise analysis in the present investigation.
10. In view of the above, the product under consideration is Black Toner in Powder Form, and scope of the PUC remains the same as that in the original investigation.
11. The following types of Toners are not covered within the scope of the investigation:
  - a) Color Toner
  - b) MICR Toner (Specialized Toner used for printing in Cheques)
  - c) Toners imported for the use by Original Equipment Manufacturers of Printing Equipment
  - d) Toner in Cartridge
  - e) Toner in liquid form
12. The subject products are classified under Chapter Heading 37 "Photographic or cinematographic goods" of the Customs Tariff Act. The classification at the 8-digit level is 37079010. However, it has been also noted from the import data that the subject goods were also imported under 37079090 HS classification. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
13. From the information available on record, it has been noted that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject countries. Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject countries are comparable in terms of physical & chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. It is noted that the imported and the domestically sold

products are technically and commercially substitutable, and the consumers are using the two interchangeably.

#### D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

##### **Submission of other interested parties**

14. M/s Pure Toners & Developers Pvt Ltd (one of the applicants) is related to M/s Copystar Export (India) Pvt Ltd, which is a major importer of Black Toner Powder from the subject country. Accordingly, applicant is not eligible to be considered as a domestic industry.
15. It has been claimed by the applicants in the application that they are the only producers of the subject goods in India despite the fact that at least one more producer of the subject goods very much exists in India since May, 2018. The applicants have made misdeclaration in their application.

##### **Submissions by the Domestic Industry**

16. The submissions made by the Domestic Industry during the course of the investigation with regard to scope of Domestic Industry & standing are as follows:
  - a) None of the cooperating producers / exporters has filed any submissions regarding standing.
  - b) The Applicants, M/S Pure Toners and Developers Pvt. Ltd and M/s Indian Toners and Developers Ltd., are producers of the subject goods in India. The domestic industry has claimed that they are the only manufacturers of the subject goods based on their best available information.
  - c) Even in the original investigation, the interested parties made a baseless claim that there are other domestic producers who are manufacturing PUC. However, none of the so-called other domestic producers filed any submission claiming that they are engaged in the manufacturing of PUC.
  - d) The investigation was initiated on 30.09.2024. None of the so-called other domestic producers filed any submissions claiming that they are manufacturer of PUC.
  - e) The Applicants have not imported the product under consideration from subject countries or any exporter from the subject countries.
  - f) The Applicants account for 100% of the total Indian production of PUC. The Applicants thus hold a major proportion of total Indian production of the PUC and accordingly, satisfy the requirement of standing and constitute 'Domestic Industry' in terms of Rule 2(b) read with Rule 5(3) of the Rules.
  - g) Copystar Export (India) Pvt Ltd is an importer of the NPUC (like developer, color toner etc.) from China PR and not PUC as is also clearly evident from the import data provided by the importer (M/s Indigo Prints Smart Pvt Ltd.) as Annexure C of their written submissions. Kind attention of the Authority is invited to the fact that the declaration regarding relationship is provided in terms of the imports of PUC from the subject country and not in the context of other countries as the word used in Rule 2(b) is "alleged dumped article". In order to substantiate our claim in this context, kind attention of the Authority is invited to Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules. The relevant text of the same is reproduced below.

*Rule 2 (b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the "domestic industry" may be construed as referring the rest of the producers.*

- h) Without prejudice to the above, it is submitted that M/s Pure Toners Pure Toners & Developers Pvt Ltd. and M/s Copystar Export (India) Pvt Ltd. cannot be considered as "related parties" in terms of the specific provisions of law, the consistent practice of the Authority as well as the jurisprudence on the subject.
- i) Without prejudice to the above, it is respectfully submitted that in plethora of investigations, the Authority has even considered a domestic producer who had imported subject goods during the POI from the subject countries as an eligible domestic industry.
- j) The eligibility or ineligibility of Pure Toners in any case would not have any material difference in the facts of the present case. Admittedly, there are only two producers of the subject goods in the country. Since both the domestic producers are applicants in the present investigation, the arguments advanced by the interested parties shall not have any material effect on the case either way.

#### **Examination by the Authority**

17. Rule 2(b) of the Rules provides as follows:

*"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers.*

18. It is noted that the application has been filed by M/s Pure Toners and Developers Pvt. Ltd and M/s Indian Toners and Developers Ltd. The Applicants have informed that currently there is no other producer of the product under consideration in India as per their best available information.
19. With regard to the claim of the interested parties that M/s Pure Toners cannot be considered as an eligible Domestic Industry in terms of Rule 2(b) as one of their related parties have imported the Product under Consideration from the subject country, the Authority notes that Copystar Export (India) Pvt Ltd. has not imported subject goods from subject countries during the POI as evidenced from the analysis of the DG System data. It has been further noted that Copystar Export (India) Pvt Ltd. has imported color toner and developer during the POI which are non-product under consideration.
20. Interested parties have alleged that there is other Indian producer namely M/s JIT Enterprises, which is also engaged in production of the subject goods in India. This issue was also raised in the original investigation and thoroughly examined. It has been noted that none of the interested parties have provided concrete evidences to substantiate their claim. Further, none of the domestic producer has claimed that they are manufacturing the subject goods.

21. Based on the information on record, the Applicants account for 100% of the total Indian production and constitute a major proportion. It is noted that the Applicants have not imported the product under consideration and are not related to any importer in India or any exporter from the subject countries.
22. Accordingly, the Authority holds that the Applicants satisfy the standing requirement and constitute the Domestic Industry in terms of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the Rules.

## **E. CONFIDENTIALITY**

### **Submissions of other interested parties**

23. The Petitioners have claimed confidentiality on a number of information which to a great extent impairs the ability of Respondents to defend their interests. The petitioner has failed to provide good cause for the purpose of claiming confidentiality on essential facts in the investigation as required under Rule 7 of AD Rules and Art.6.5 of the WTO ADA.

### **Submission by the domestic industry**

24. The producer / exporters and other interested parties have claimed confidentiality on the essential information like organizational chart, shareholder list, related companies' details, production flowchart etc., which has constrained the domestic industry to file its meaningful comments on the information filed by them in their response.
25. It is requested to reject the questionnaire response filed by the producers / exporters as the same are not in accordance with law as the producers / exporters have miserably failed to follow the mandatory provisions.

### **Examination by the Authority**

26. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provide as follows:

*"Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."*

27. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing

information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties by directing the interested parties to share the non-confidential version of submissions with each other. Business sensitive information has been kept confidential as per practice.

28. The Authority has considered the claims of confidentiality made by the Applicants and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the authority has allowed the claim on confidentiality.

## **F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS**

### **Submission of other interested parties**

29. The import data sourced from the market intelligence source is not authentic and reliable. The Authority should have called for DGCI&S data for the examination of imports in the present investigation at the time of initiation. In the past, the Authority has always relied upon the data sourced from DGCI&S and not the secondary sources.

### **Submissions by the Domestic Industry**

30. With regard to the claim made by the interested parties that the Authority should have called for DGCI&S data for the examination of imports in the present investigation at the time of initiation, it is submitted that the Hon'ble Authority has indeed calculated the export price of the subject goods from the subject countries at the time of initiation from the DG Systems data as evidenced from para no. 15 of the initiation notification of the present initiation notification. The text of the same is reproduced below.

*The export price of the subject goods from the subject countries has been determined from the DG Systems data with due price adjustments on account of Ocean freight, Marine insurance, Port expenses, Bank charges etc.*

### **Examination by the Authority**

31. As regards the claim made by the interested parties regarding reliability of the import data, it may be noted that DG Systems data has been considered at the time of the initiation.

## **G. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

### **Submissions by the other interested parties**

32. The determination of normal value violates the provision laid down in paragraph 7 of Annexure I of AD rules and is not supported by any evidence in violation of Rule 5(2) and 5(3).
33. The expiration of Section 15(a)(ii) of the Protocol on the Accession of the People's Republic of China to the World Trade Organization on December 11, 2016 means that India, as one of the WTO members, shall be obligated to cease the use of non-market economy methodology in respect of all anti-dumping investigations against China. To be specific, after December 11, 2016, India no longer has legal basis under the WTO Agreements to calculate normal value by using the non-market economy methodology. Any such action by India would be inconsistent with the requirements of the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (the "Anti-Dumping Agreement") and other covered agreements. We believe that it is the Ministry of Commerce and Industry's obligation

as the investigating authority to solicit the information that it requires to calculate the dumping margin in accordance with the WTO rules.

### **Submissions by the Domestic Industry**

34. The following submissions have been made by the Domestic Industry:

#### **Normal Value for China PR**

35. China PR has to be presumed to be a non-market economy country in terms of Para 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, as it has been treated as a non-market economy country for purposes of plethora of anti-dumping investigations by the Designated Authority or also by other competent authorities of WTO member countries during the preceding three years unless the concerned firms / producers / exporters are able to rebut the said presumption based on the criteria laid down in Para 8(2).
36. The normal value for Chinese firms should be determined as per the provisions of Para 7 of the Annexure I. The Applicants tried to get the information of the domestic prices in China PR. However, the applicants were not in a position to obtain any price details for the subject goods in the subject countries, as this information is not available in the public domain. Therefore, the domestic industry has constructed the normal value for the same on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.

#### **Normal Value for Taiwan**

37. The Applicant has claimed that they have tried to get the information of the domestic prices in Taiwan. However, the applicants were not in a position to obtain any price details for the subject goods in Taiwan as this information is not available in the public domain. Therefore, the domestic industry has constructed the normal value for the same on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.
38. The applicants have alleged that there are no exports of the subject goods to India from Malaysia during the period of injury due to imposition of the anti-dumping duties.

#### **Export Price for China PR and Taiwan**

39. India is an attractive market for the foreign producers /exporters, which is also evidenced from the fact that two major producers / exporters from subject countries namely Trend Tone imagine Inc. (TTI) and Tianjin Zhonghuan TCOA Electronics Co Ltd (TCOA) resorted to manipulation in the original investigation to get favourable results. This fact is categorically recorded in the Final Findings of the original investigation.
40. Estimation of the period of investigation and period of injury is possible considering the timeframe provided under the law to file the application for the initiation of the sunset review investigation which allows the exporters to plan their sales to India in a manner which would result in a favourable outcome.
41. The applicants have submitted that as per their market intelligence, the exporters/importers of the subject goods are giving post imports discounts to undercut the prices of the Domestic Industry.

42. Export price from subject countries has been determined considering volume and value of imports for the period of investigation as per transaction wise data collected from the secondary source. Adjustments have been made for ocean freight, marine insurance, inland transportation, port handling and clearance charges, bank charges, commission, credit cost. However, the export price is not reliable considering the above facts.

### **Examination by the Authority**

#### **Normal value for China PR**

43. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:
- (a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
- (i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
  - (ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
- (b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
- (c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- (d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provision of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

44. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a) (ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO, read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol require the criterion stipulated in Para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status.

45. As none of the producers from China PR have filed a supplementary questionnaire on market economy conditions questionnaire response, the normal value has been determined in accordance with para 7 of Annexure I to the Rules which read as under:

*"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

8. (1) *The term "non-market economy country" means any country which the designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).*

(2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated Authority or by the competent Authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such presumption by providing information and evidence to the designated Authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).*

(3) *The designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated Authority may apply the principles set out*

*in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.*

- (4) *Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated Authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti- dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization*
46. Para 7 lays down hierarchy for determination of normal value and provides that normal value shall be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to any other country, including India, or where it is not possible, on any reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like article, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. Thus, the Authority notes that the normal value is required to be determined having regard to the various sequential alternatives provided under Annexure-I.
47. It is to be noted that no information/evidence has been provided by the parties for the construction of the normal value on the basis of the first and second methods. In the absence of the above information/evidence, the Authority is unable to determine normal value on the basis of the first or second method. Therefore, the Authority has decided to construct normal value based on the third method, i.e., on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India during the period of investigation. The Authority has constructed the normal value on the basis of the price paid or payable in India.

**Export Price for Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd. alongwith its related producer HG Technologies Co., Ltd., China PR**

48. The Authority notes that Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd. along with its related Producer namely HG Technologies Co., Ltd., China PR have responded and have provided the information to determine the Net Export Price (NEP). It was observed that Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd had exported \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI, out of which \*\*\* MT were material produced from its related producer HG Technologies Co., Ltd and balance \*\*\* MT were produced by them. Both Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd. along with its Related Producer HG Technologies Co., Ltd have filed the EQR. In view of the above, the Authority has considered the export price based on the exports of \*\*\* MT. The expenses on account of inland freight and others have been reduced from their export prices after desk verification. The weighted average net ex-factory export price, after adjustment of the above expenses, is determined and is shown in dumping margin table below.

**Export price for all non-cooperative producers/exporters from China PR**

49. The export price for other non-cooperative producers / exporters from China PR has been determined based on the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

**Taiwan**

**Normal Value for Trend Tone Imaging, Inc.**

50. The producer has reported domestic sales of \*\*\* MT in the period of investigation. The producer has claimed that all domestic sales are to unrelated parties. The producer has claimed adjustments on account of inland transportation, credit cost and packing cost. The Authority has carried out

ordinary course of trade ("OCT") test. The Authority notes that more than 80% of the total domestic sales were found to be profit making. Therefore, for the purpose of determination of normal value the Authority considered the total domestic sales as the basis for determination of the normal value. The adjustments on account of inland transportation, credit cost and packing cost have been allowed after desk verification. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

#### **Normal Value for other producers/exporters in Taiwan**

51. The normal value for all other non-cooperating producers and exporters of Taiwan has been determined based on facts available and the same is mentioned in the dumping margin table below.

#### **Export Price for Trend Tone Imaging, Inc., Taiwan**

52. The Authority notes that Trend Tone Imaging, Inc. have responded and have provided the information to determine the Net Export Price (NEP). It is seen that Trend Tone Imaging Inc. has exported \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI. The expenses on account of ocean freight, inland freight and others have been reduced from their export prices. The weighted average net ex-factory export price, after adjustment of the above expenses, is determined and is shown in dumping margin table below.

#### **Export price for all non-cooperative producers/exporters from Taiwan**

53. The export price for other non-cooperative producers / exporters from Taiwan has been determined based on the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

#### **Dumping Margin**

54. Considering the normal value as constructed above, and export price as determined, the dumping margin determined for the subject countries are as follows:

<b>Country of Origin and/or Export</b>	<b>Name of Producer</b>	<b>Normal Value (USD /MT)</b>	<b>Export Price (USD/MT)</b>	<b>Dumping Margin (DM) (USD / MT)</b>	<b>DM (%)</b>	<b>DM % (Range)</b>
China PR	Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd	***	***	***	***	(0-10)
China PR	Any other	***	***	***	***	10-20
Taiwan	Trend Tone Imaging, Inc.	***	***	***	***	80-90
Taiwan	Any other	***	***	***	***	120-130

55. From the above, it is noted that except Handan Hanguang (participating exporter from China PR), dumping margin is positive.

#### **H. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY, CAUSAL LINK AND LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

##### **H.1 ASSESSMENT OF MATERIAL INJURY AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK**

###### **Submission by other interested parties**

56. The submissions made by other interested parties are as follows:

- a) There is no injury to the Domestic Industry, as imports from the subject countries have declined by 15%, from 1644 MT in 2020-21 to 1400 MT in 2023-24. At the same time, the sales of the domestic industry increased by 69%, from 100 MT in 2020-21 to 169 MT in 2023-24, which is notably higher than the 36% increase in total demand.
- b) There is no price effect from imports from the subject countries, as the cost of sales from these countries has increased more than the cost of sales and net sales realization of the Domestic Industry.
- c) Installed capacity has increased by 31% from 100 MT in 2020-21 to 131 MT in 2023-24, the production quantity of PUC has risen by 76% from 100 MT to 176 MT. However, capacity utilization has declined by 34%, from 142% in 2021-22 to 134% in 2023-24. This decline in capacity utilization is due to the significant expansion in capacity, not because of reduced demand or imports.
- d) Domestic sales increased by 69%, from 100 MT in 2020-21 to 169 MT in 2023-24, indicating a strong performance in the local market. Similarly, export sales also grew by 52%, from 100 MT in 2020-21 to 152 MT in 2023-24, showing an expanding presence in international markets.
- e) Average inventory as a number of days of production has decreased by 12%, from 100 days in 2020-21 to 88 days in 2023-24, suggesting improved inventory efficiency and better alignment of production with demand. Overall, the data reflects effective inventory management practices, ensuring that production and sales are well-supported while minimizing excess stock.
- f) The share of the Domestic Industry has increased significantly from 100% in 2020-21 to 125% in 2023-24, indicating strong growth. In contrast, the share of imports from subject countries has declined significantly by 50%, from 100% in 2020-21 to 50% in 2023-24.
- g) There is a significant improvement in productivity across all metrics. Productivity per day has increased by 76%, from 100 MT in 2020-21 to 176 MT in 2023-24, reflecting higher overall output. Productivity per employee has grown by 42%, from 100 MT.
- h) Profitability such as PBT, PBIT, and PBDIT have all seen impressive growth, with PBT increasing by 288%, and cash profit growing by 203%.
- i) The ROI has improved significantly, increasing by 86%. Overall, the data shows no injury to the Domestic Industry.

### **Submissions by the Domestic Industry**

57. The submissions made by Domestic Industry are as follows:

- a) Domestic industry consists only of MSME companies, and is thankful to the Authority for recommending the duties and protecting the domestic industry from the dumped imports from the subject countries which led to improvement in the performance of the domestic industry, *albeit* in the initial years. However, producers / exporters from the subject countries have continued significant exports of the subject goods. Therefore, continuation of anti-dumping duties would be in the public interest and the discontinuance of anti-dumping duties would certainly lead to continuation and recurrence in even greater extent, of dumping and injury to the domestic industry. It is also submitted that in case duties are not continued, the significant investment made by the domestic industry will be jeopardized and there will be a loss of employment.

- b) Significant capacity additions / investments to the tune of as high as 37% (around \*\*\* Crore) were made by the domestic industry post imposition of the duties, which made domestic industry self-sufficient to cater to the total India demand i.e., there is no demand and supply gap.
- c) The industry has also added to the employment in the MSME sector which has been under pressure for quite some time.
- d) The domestic industry filed the application in terms of Rule 23(1B) of the anti-dumping Rules for continued imposition of the existing anti-dumping duty levied on the imports of " Black Toner in Powder Form " (hereinafter also referred to as "subject goods" or "Product under consideration") from China PR, Taiwan and Malaysia (hereinafter also referred to as "subject countries") imposed vide Customs Notification No. 12/2021- Customs (ADD) dated 05th March, 2021 w.e.f. from the date of imposition of the provisional anti-dumping duty i.e., 10th August, 2020. Accordingly, the investigation was also initiated under Section 9A (5) read with Rule 23(1B) which mandates only extension of the period of imposition of duties and not any modification of duties.
- e) The Authority has to reach a conclusion that there is no possibility of any continued dumping or injury or otherwise recurrence of dumping or injury to the domestic industry from the dumped imports from the subject countries before deciding not to extend the anti-dumping duties.
- f) Improvement in the performance of the domestic industry does not imply that the duties cannot be continued. In a sunset review, the Authority is required to undertake a prospective analysis, to evaluate the likely effect of the expiry of duty on the volume and price of imports, and its consequent impact on the performance of the domestic industry in the event duties are withdrawn.
- g) All parties are very well aware of the likely Period of Investigation that would be undertaken by the Authority in any sunset review investigation considering the timeframe provided under the law to file the application for the initiation of the sunset review investigation. It allows the producers / exporters to plan their sales to India in a manner which would result in a favourable outcome. It is for this reason the investigating authorities worldwide analyze likelihood and where likelihood found to be positive, the authorities worldwide including DGTR had recommended continuation of the duties even when there were no imports of the subject goods in the POI. Accordingly, the domestic industry humbly requests the Authority to extend the existing anti-dumping duties for a further period of five years.
- h) Overall imports from subject countries declined in the POI on account of the duties in force, which clearly shows likelihood of recurrence of dumping and injury from subject countries. However, imports from the Taiwan increased significantly from 282 MT in the base year to 696 MT in the POI i.e., by around 146%. The decline in the overall imports may be deliberate to get favourable results in the sunset review investigation considering the following facts:
- Major producers / exporters from the subject countries have a proven history of resorting to manipulation to get favourable results.
  - Precise estimation of the period of investigation and period of injury is possible in a sunset review investigation.
- i) The pattern of trade has changed completely. After imposition of duties, imports from China PR declined while imports from Taiwan increased as duties against Taiwanese producers are lower as compared to Chinese producers.

- j) The apparent decline in the overall imports is, at best, a temporary phenomenon and that there is every likelihood of surge in the dumped imports from the subject countries in the event duties are not continued.
- k) As per the market intelligence of the domestic industry, the exporters / importers of the subject goods are giving post imports discounts to undercut the prices of the domestic industry. The above apprehension is based on our market information of the prices offered by the traders in the market. In view thereof, the export price will not reflect the true picture.
- l) The landed value of the subject goods from China PR declined in the POI as compared to FY 2022-23. Therefore, the domestic industry was forced to reduce its domestic selling price in the POI as compared to FY 2022-23 despite significant increase in the cost during the same period. The dumped imports significantly depressed the prices of the domestic industry. The domestic industry is not able to increase the prices to the level commensurate to the increase in the cost during the POI. It clearly proves beyond any doubt that the domestic industry is suffering on account of imports from the subject countries and that there is every likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event duties are not continued.
- m) The domestic industry has not been able to utilize its capacity on account of the dumped imports from the subject countries. The domestic industry had to match the import prices from the subject countries to achieve the present level of production. This situation clearly depicts the price pressure on the Domestic Industry.
- n) Post-imposition of the duties, domestic industry has increased its capacity significantly to cater the Indian demand. The performance of the domestic industry declined in POI as compared to FY 2022-23 on account of significant dumped imports from subject country. If duties are not continued, the position of the domestic industry will further worsen and may lead to closure of the factory. The investment done by the domestic industry will come in jeopardy.
- o) The domestic industry, which is in the MSME sector, employs more than \*\*\*employees. The performance of the domestic industry declined in POI as compared to FY 2022-23 on account of significant dumped imports from subject country. If duties are not continued, the position of the domestic industry will further worsen and may even lead to closure of the factory and large-scale layoffs.
- p) The performance of the domestic industry was adversely impacted in the POI as compared to the FY 2022-23. The landed value from the subject countries declined significantly during the POI as compared to FY 2022-23. It may be noted that the exports realization is better than domestic market.
- q) The average inventories of the domestic industry increased in the POI as compared to the preceding years despite significant increase in the demand on account of the dumped imports from the subject countries.
- r) The performance of the domestic industry declined in the POI as compared to FY 2022-23. The presence of dumped and injurious imports has made the future investment in the sector vulnerable. If duties are not continued, the position of the domestic industry will further worsen and may lead to closure of the factory.

### **Examination by the Authority**

58. Para (iii) of Annexure 11 of the Rules states the following:

*"(iii) In cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of the like article, and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles."*

59. The Authority notes that:

- a. The margins of dumping from Taiwan are above de minimis limits and significantly positive. The margin of dumping of China PR is negative for the cooperating producer but positive for other producers.
- b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete inter se but also with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

60. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from imports of the product under consideration from the subject countries.

61. The submissions made by the Domestic Industry with regard to the injury assessment and causal link have been examined in light of various parameters in accordance with the Rule II of the Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the Domestic Industry, *".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles ...."* In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

### **Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

#### **(a) Assessment of Demand/Apparent Consumption**

62. For the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India, sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources has been taken into consideration. The demand so assessed has increased in the POI and preceding years as compared to the base year.

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Imports from China	MT	733	237	127	104
Imports from Taiwan	MT	299	676	775	702
Imports from Subject Countries	MT	1032	913	902	806
Imports from Other Countries	MT	263	544	635	566

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
<b>Total Imports</b>	<b>MT</b>	<b>1294</b>	<b>1457</b>	<b>1537</b>	<b>1318</b>
<b>% Share of Imports in Total Imports</b>					
Imports from China	%	56.6%	16%	8%	8%
Imports from Taiwan	%	23.1%	46%	50%	53%
Imports from Subject Countries	%	80%	63%	59%	61%
Imports from Other Countries	%	20%	37%	41%	43%
<b>Domestic Sales</b>	<b>MT</b>	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	171	169
<b>Total Demand</b>	<b>MT</b>	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	153	146

63. It may be seen that the overall imports from subject countries declined in the POI possibly on account of the duties in force. However, imports from the Taiwan increased significantly from 299 MT in the base year to 702 MT in the POI i.e., by around 135%. It is further noted that the demand of the subject goods increased by 46% in the POI as compared to the base year. It is noted that market share of subject countries in total imports have declined during the injury period while share of non-subject countries have increased.

#### **(b) Import Volumes from the subject countries**

64. With regard to the volume of the imports, it is noted that the imports from Taiwan increased significantly from 299 MT in the base year to 702 MT in the POI i.e., by around 135%. The imports from the subject countries in comparison to the Indian production as well as total demand in India has declined in the period of investigation on account of the duties in force. The details are as follows:

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Imports from Subject Countries	MT	1,032	913	902	806
Domestic Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	142	177	176
% Share of subject countries in Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	63	50	44
Demand in India	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	153	146
% Share of Subject Countries in Consumption	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	68	57	54

65. It is also noted that the imports of PUC from the subject countries, in relation to production and demand, has declined in the POI as compared to the base year and preceding years, possibly because of existence of the anti-dumping duties. It is further noted that subject goods are being imported from subject countries in the domestic market in not so insignificant volumes.

#### **Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

66. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the Domestic Industry on account of the dumped imports

from the subject countries has been examined with reference to price undercutting, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from the subject countries.

#### **(a) Price Undercutting**

67. For the purpose of price undercutting analysis, the selling price of the Domestic Industry has been compared with the landed value of imports from the subject countries. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries works out as follows:

##### **i. Price Undercutting (For Subject Countries as a whole)**

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Landed value	Rs. / MT	330473	363437	417667	429436
Trend	Indexed	100	110	126	130
Domestic selling price	Rs. / MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	115	114
Price Undercutting	Rs. / MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	34	-28	-92
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	31	-23	-70
Range	%	0-10	0-10	(10)-0	(10)-0

##### **ii. Price Undercutting (China PR)**

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Landed value	Rs/MT	312154	340553	380364	407819
Trend	Indexed	100	109	122	131
Domestic selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	115	114
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	72	68	-5
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	66	56	-4
Range	%	10-20	0-10	0-10	(10)-0

##### **iii. Price Undercutting (Taiwan)**

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Landed value	Rs/MT	375384	371460	423779	432638
Trend	Indexed	100	99	113	115
Domestic selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	115	114
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Trend	Indexed	-100	5	-71	-141
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	5	-63	-122
Range	%	(10)-0	0-10	(10)-0	(10)-0

68. Price undercutting is negative with respect to subject countries during the POI.

#### **(b) Price Suppression and Depression**

69. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, are compared as below:

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Landed value - Subject Countries	Rs/MT	330473	363437	417667	429436
Trend	Indexed	100	110	126	130
Domestic selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	115	114
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	114	114

70. From the above table, it is noted that similar to the price undercutting, prices of the Domestic Industry were suppressed during the initial two years i.e., 2020-21 and 2021-22. However, during the year 2022-23 and the period of investigation import prices were above the selling prices of the Domestic Industry.

#### **Economic Parameters of the Domestic Industry**

71. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

72. The injury parameters have been examined objectively taking into account various facts and submissions made.

#### **Production, Capacity, Sales and Capacity Utilization**

73. Capacity, production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry over the injury period is given in the following table: -

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Capacity (MT)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	110	131
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	153	146
Production PUC only	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	142	177	176
Capacity utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	142	160	134
Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	171	169

74. The Authority notes that the production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year. However, the same declined when compared to the immediately preceding year i.e., 2022-23.

#### **Market Share**

75. The Authority also notes that the market share of the domestic industry has increased in the POI as compared to previous years. However, imports from Taiwan increased significantly despite duties in force. The details are as follows:

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
Total Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	153	146
<b>Share in Demand</b>					
Imports from China	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	25	11	10
Imports from Taiwan	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	175	170	161
Imports from Subject Countries	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	68	57	53
Imports from Other Countries	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	160	158	133
Total Imports	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	78	70
Domestic Sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	112	116

76. It is noted that market share of subject countries in total imports have declined during the injury period while share of non-subject countries have increased.
77. It has been further noted that significant capacity additions/investments were made by the domestic industry post imposition of the duties.

#### **(b) Profitability, return on investment and cash profits**

78. Profitability, return on investment and cash profits of the Domestic Industry over the injury period is given in the table below:

<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
<b>Sales (MT)</b>	MT	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	139	171	169
<b>Sales value</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	145	196	193
<b>Selling Price</b>	Rs/MT	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	104	115	114
<b>Cost of Sales</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	148	194	193
<b>Cost of Sales</b>	Rs/MT	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	107	114	114
<b>Profit/loss</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	120	212	189
<b>Profit/loss</b>	Rs/MT	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	87	124	112
<b>Depreciation</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	99	95	125
<b>Cash Profit</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	113	173	168
<b>Capital Employed</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	113	186	213
<b>ROCE</b>	%	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	107	114	88

79. From the above table, it is noted that:

- In spite of continuous increase in demand of PUC, the Domestic Industry's profit, cash profit and ROI declined during the POI as compared to preceding year.
- The cost (Rs/MT) has increased in the POI as compared to the immediately preceding year i.e., 2022-23. However, during the same period, selling price declined by more than Rs/MT \*\*\*.
- Similarly, the cash profits and return on capital employed followed the same trend as profitability. It is noted that cash profits and return on capital employed declined in the POI as compared to the immediately preceding year.

#### (c) Employment, productivity and wages

80. Employment, productivity and wages of domestic industry over the injury period is given in the table below:

<b>Particular</b>	<b>UoM</b>	<b>2020-21</b>	<b>2021-22</b>	<b>2022-23</b>	<b>POI</b>
<b>Employees</b>	No.	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	120	128	124
<b>Wages</b>	Rs. Lacs	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Index	100	129	147	158
<b>Wages/employee (Rs)</b>	Rs. / Employee	***	***	***	***

Particular	UoM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Trend	Index	100	108	115	127
Production/employee	MT/No.	***	***	***	***
Trend	Index	100	118	138	142

81. It is noted that the productivity of the domestic industry increased in the POI as compared to the base year and remained same as compared to the immediately preceding year.

**(d) Inventories**

82. Inventory position with the Domestic Industry over the injury period is given in the table below:

Year	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	146	154

83. It is noted that the inventories with the Domestic Industry have increased during POI as compared to the previous years.

**(e) Growth**

84. It is noted that growth of the Domestic Industry with regard to production, sales, capacity utilization, profitability, cash profit, ROCE is negative in the POI as compared to the previous years. The details are as under.

Growth	2020-21	2021-22	2022-23	POI
Production	-	***	***	***
Sales	-	***	***	***
Profit	-	***	***	***
Cash Profit	-	***	***	***
ROCE	-	***	***	***

**Factors affecting domestic prices**

85. From the examination of the information on record, it is noted that the Domestic Industry is selling the subject goods around the value offered by the exporters in the market. It is also noted that the demand for the subject goods significantly increased during the POI as compared to the previous years. Thus, it may be concluded that the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of subject goods from the subject countries.

**Magnitude of Injury and Injury Margin**

86. The Authority has determined Non-Injurious Price for the Domestic Industry on the basis of principles laid down in Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined based on information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the Domestic Industry has been worked out and it has been compared with the landed price from the subject countries for calculating injury margin.

<b>Country of Origin and/or Export</b>	<b>Name of Producer</b>	<b>NIP (USD /MT)</b>	<b>LV (USD/MT)</b>	<b>IM (USD / MT)</b>	<b>IM (%)</b>	<b>IM % (Range)</b>
China PR	Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd	***	***	***	***	(0-10)
China PR	Any other	***	***	***	***	20-30
Taiwan	Trend Tone Imaging, Inc.	***	***	***	***	(10-20)
Taiwan	Any other	***	***	***	***	(0-10)

87. The injury margin from the cooperative producers is negative.

## **H.2 NON-ATTRIBUTION ANALYSIS**

88. As per the Rules, it is, inter alia, required to be examined whether any known factors other than the dumped imports at the same time are injuring the Domestic Industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the Domestic Industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

### **Volume and price of imports from third countries**

89. The share of the imports from countries other than the subject countries are either de minimis or the import prices are significantly higher. Hence, imports from third countries are neither causing nor threatening to cause injury to the domestic industry.

### **Export Performance**

90. The data for domestic operations only has been considered for the injury analysis.

### **Development of Technology**

91. None of the interested parties have participated and furnished any evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the domestic industry.

### **Performance of other products of the company**

92. The domestic industry is engaged only in the production and sales of PUC. Accordingly, performance of other products is neither causing nor threatening to cause injury to the domestic industry.

### **Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic Producers**

93. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country.

### **Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption**

94. The demand has increased significantly in the POI as compared to FY 20-21 and FY 2021-22. However, there is a small decline in the POI as compared to the immediately preceding year, which may be temporary. The overall trend of demand growth is robust during the injury investigation period.

### **H.3 FACTORS RELEVANT FOR INJURY AND CAUSAL LINK**

95. The Authority notes the following:

- a. The margin of dumping from Taiwan is above *de minimis* limits and significantly positive. The margin of dumping of China PR is negative for the cooperating producer but positive for other producers.
- b. The inventories of the domestic industries increased significantly.
- c. The profits, cash profits and return on capital employed have declined during the POI.
- d. The growth of the domestic industry in terms of both volume and profitability parameters is negative during the POI.

### **H.4 LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

#### **Submissions of other interested parties**

96. The following submissions were made by other interested parties:

- a) The domestic industry has expanded its market share, growing at twice the rate of total demand. Therefore, with the decrease in imports and the growth in domestic sales and market share, it is clear that there is no injury to the Domestic Industry from imports, indicating the absence of any volume effect.
- b) The share of the Domestic Industry has increased significantly from 100% in 2020-21 to 125% in 2023-24, indicating strong growth. In contrast, the share of imports from subject countries has declined significantly by 50%, from 100% in 2020-21 to 50% in 2023-24.
- c) There are significant improvements in productivity across all metrics. Thus, there is no injury to the Domestic Industry.
- d) The ROI has improved significantly, increasing by 86%. Overall, the data shows no injury to the Domestic Industry.
- e) No credible evidence has been provided by the applicant domestic industries with regard to the claimed existence of huge capacities or surplus capacities with manufacturers in the subject countries, their domestic demands and their demand in other markets.

#### **Submissions by the Domestic Industry**

97. The following submissions were made by domestic industry:

- a) Interested parties were very well aware of the likely Period of Investigation that would be undertaken by the Authority in any sunset review investigation considering the timeframe provided under the law to file the application for the initiation of the sunset review investigation. It allows the producers / exporters to plan their sales to India in a manner which would result in a favorable outcome. It is for this reason the investigating authorities worldwide analyze likelihood and where likelihood found to be positive, the

authorities worldwide including DGTR had recommended continuation of the duties even when there were no imports of the subject goods in the POI. Accordingly, the domestic industry humbly requests the Authority to extend the existing anti-dumping duties for a further period of five years.

- b) The pattern of trade has changed completely. After imposition of duties, imports from China PR declined while imports from Taiwan increased as duties against Taiwanese producers are lower as compared to Chinese producers. As per the market intelligence of the domestic industry, Chinese goods are routing through Taiwan. This clearly shows likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- c) Demand of the subject goods increased throughout the injury investigation period. Moreover, the growth perspective of this industry is also bright. It is further submitted that India is an attractive market for the foreign producers /exporters, which is also evidenced from the fact that two major producers / exporters from subject countries namely Trend Tone imagine Inc. (TTI) and Tianjin Zhonghuan TCOA Electronics Co Ltd (TCOA) resorted to manipulation in the original investigation to get favourable results. This fact is categorically recorded in the Final Findings of the original investigation. Accordingly, there is every likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in case the duties are not continued.
- d) The producers in the subject countries have huge surplus capacities. In such a case, there is every likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in case the duties are not continued.
- e) The producers from China PR are exporting the low value subject goods to other countries in significant volumes. The exports made by China PR to other countries are also multi-fold as compared to the Indian production as well as the demand. In such a case, if the duties are not continued there is every likelihood of diverting the low value subject goods to India.
- f) The producers of China PR exported subject goods in significant volumes to Taiwan (subject country) at very low prices. Further, we understand that most of the Chinese producers have related entities in Taiwan. There is a strong possibility that the Chinese producers are routing their goods through Taiwan as producers from Taiwan enjoy low duty. Our apprehension is also supported by the manipulation / misdeclaration done by the Chinese and Taiwanese producers in the original investigation. In such a case, there is every likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in case duties are not extended.
- g) The demand of the subject goods in USA and Europe declined drastically on account of slowdown of the economy. In such a case, there is every possibility of diverting the exports to India in case duties are withdrawn.
- h) The producers of China PR exported subject goods in significant volumes to other countries including Taiwan. The domestic industry has considered the exports prices to Taiwan being one of the subject countries to calculate the likely dumping and margin, which are not only positive but also significant.

### **Examination by Authority**

98. The present investigation is a sunset review investigation, and the purpose of this investigation is to examine the continuation or recurrence of dumping and consequent injury if anti-dumping duty is allowed to expire. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping.

99. The Authority notes that the domestic industry has claimed that anti-dumping duty protection against the subject countries led to improvement in their performance. It is also noted that the quantum of imports also declined as compared to the original period of investigation. This has given relief to the domestic industry. However, producers / exporters from the subject countries have continued significant exports of the subject goods in relation to the total demand in India. It has been further submitted that continuation of anti-dumping duties would be in the public interest and the discontinuance of anti-dumping duties would certainly lead to continuation and recurrence in even greater extent, of dumping and injury to the domestic industry.
100. All factors brought to the notice of the Authority have been examined to determine whether there is a likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of cessation of the duty. The Authority has considered various information, as made available by the interested parties during the course of the investigation, in order to evaluate the likelihood of continuation or recurrence of dumping or injury.
101. There are no specific methodologies available to conduct such a likelihood analysis. However, Clause (vii) of Annexure II of the Rules provides, *inter alia*, for factors which are required to be taken into consideration *viz.:*
- a) A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased imports;
  - b) Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
  - c) Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and inventories of the article being investigated.
102. Further, the Authority has also examined other relevant factors having a bearing on the likelihood of continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry. The examination of the parameters of the likelihood as follows:

**a) Continued imports from the subject countries**

103. The imports of the subject goods from China PR declined while the imports from Taiwan increased significantly. Further, the imports have remained significant in absolute and relative terms despite domestic industry having sufficient capacity to meet the entire domestic demand.

**b) Surplus capacities in the subject countries**

104. The responding interested parties have provided capacity and production details prevalent in the subject countries in their questionnaire response. The domestic industry has also provided information on the capacity of various producers along with evidence. The capacity and production reported by the responding interested parties and the details provided by the domestic industry for the non-cooperative producers are considered to determine the total capacity and production of the subject countries. The capacity and production information for the producers made available for year 2023 during the course of the investigation is as follows:

Particulars	China PR	Taiwan	Malaysia	Subject countries
Capacity – Cooperating Producers	***	***	-	***
Capacity – Non-Cooperating Producers	***	-	***	***
Total Capacity	***	***	***	***
Production – Cooperating Producers	***	***	-	***
Production – Non-Cooperating Producers	***	-	***	***
Total Production	***	***	***	***
Surplus Capacity – Cooperating Producers	***	***	-	***
Surplus Capacity – Non-Cooperating Producers	***	-	***	***
Total Surplus Capacity	23680	1990	1580	27251
Indian Demand	***	***	***	***
Surplus Capacity % of Indian Demand – Cooperating Producers	(***)	***	-	***
Surplus Capacity % of Indian Demand – Cooperating Producers (Range)	(10) – (30)	30-50	-	10-30
Total Surplus Capacity % of Indian Demand – Non-Cooperating Producers	***	-	***	***
Total Surplus Capacity % of Indian Demand – Non-Cooperating Producers (Range)	400-500	-	20-40	500-600
Total Surplus Capacity % of Indian Demand	***	***	***	***
Total Surplus Capacity % of Indian Demand (Range)	400-500	30-50	20-40	500-600

Source: From DI application and response filed by cooperative producers / exporters

105. It is seen that the excess capacity with the producers from subject countries are significant in absolute terms as well as in relation to the Indian demand. There is an excess capacity of around \*\*\* MT with the producers in subject countries which is around \*\*\* times of the Indian demand.

### c) Export Orientation

106. The exports made by the respondents from China PR and Taiwan during the POI have been compared with their total sales of PUC. Table below shows the factual information.

Sl. No	Particulars	UoM	Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd, China PR	Trend Tone Imaging, Inc., Taiwan
1	Total sales of PUC	MT	***	***
2	Total exports of PUC	MT	***	***
3	Exports of PUC % of total sales of PUC	%	***	***
4	Exports of PUC % of total sales of PUC (Range)	%	10-30	80-100

107. The total exports reported by the responding exporters is as high as \*\*\*% for Trend Tone Imaging, Inc., Taiwan and \*\*\*% for Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd, China PR. In the event of

cessation of existing anti-dumping duty, there is a likelihood that third country exports at dumped prices may be diverted to India.

**d) Third country dumping**

108. The domestic industry has provided information with regard to exports from China PR to show that the producers in the China PR are exporting significant volume of the subject goods to third countries at dumped prices with evidence. However, the Authority has analyzed the exports made to third countries by the respondents from China PR and Taiwan and compared the same with the constructed normal value determined for China and normal value of Taiwan with the export price reported by the responding producers/exporters. Table below shows the factual information.

Sl. No	Particulars	UoM	Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd, China PR	Trend Tone Imaging, Inc., Taiwan	FY 2023-24
1	Dumped exports to third country	MT	***	***	***
2	Total exports to third country	MT	***	***	***
3	Indian Demand	MT	***	***	***
4	Dumped exports % to exports to third country	%	***	***	***
5	Dumped exports % to exports to third country (Range)	%	50-70	80-100	60-80
6	Dumped exports % to Indian Demand	%	***	***	***
7	Dumped exports % to Indian Demand (Range)	%	30-50	20-40	50-70

Source: Based on Cooperative exporters data

109. The total exports reported by the responding exporters is \*\*\* MT. Of these, \*\*\* % of these exports have been made at dumped price. This volume constitutes \*\*\*% of Indian demand. In the event of cessation of existing anti-dumping duty, these third country dumped exports may be diverted to India.

**e) Injurious volume of exports**

110. The domestic industry has provided information with regard to exports from China PR to show that the producers in the China PR are exporting significant volume of the subject goods to third countries at prices injurious to India with evidence. However, the Authority has considered the exports to third countries reported by the cooperating producers from China PR and Taiwan. The price of the exports made by the respondents have been compared with the NIP determined for the POI and the injury period. Table below shows the factual information.

Sl. No	Particulars	UoM	Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd, China PR	Trend Tone Imaging, Inc., Taiwan	FY 2023-24
1	Injurious exports to third country	MT	***	***	***
2	Total exports to third country	MT	***	***	***

3	Indian Demand	MT	***	***	***
4	Injurious exports % to exports to third country	%	***	***	***
5	Injurious exports % to exports to third country (Range)	%	50-70	0-20	40-60
6	Injurious exports % to Indian Demand	%	***	***	***
7	Injurious exports % to Indian Demand (Range)	%	30-50	0-20	40-60

111. The total exports reported by the responding exporters is \*\*\* MT. Of these, \*\*\*% of exports are at injurious price which constitutes around \*\*\*% in relation to Indian demand. In the event of cessation of existing anti-dumping duty, these third country exports may be diverted to India, which will force the domestic industry to sell the PUC at injurious price in order to maintain its market share and eventually suffer losses.

f) **Price attractiveness of Indian market**

112. The domestic industry has provided information with regard to exports from China PR to other countries to show that the producers in China PR are exporting significant volume of the subject goods to third countries at a price below the level at which the subject goods are being exported to India. However, the Authority has thus examined information provided by the responding producers / exporters. The export price of the subject goods exported by the respondents to India have been compared with their export price to third countries. Table below shows the factual information.

Sl. No	Particulars	UoM	FY 2023-24
1	Exports at prices below the prices to India	MT	***
2	Total exports to third country	MT	***
3	Indian Demand	MT	***
4	Exports below India price % to third country	%	***
5	Exports below India price % to third country (Range)	%	30-50
6	Exports below India price % to Indian Demand	%	***
7	Exports below India price % to Indian Demand (Range)	%	30-50

113. The total exports reported by the responding exporters is \*\*\* MT. Of these, \*\*\*% of the exports are made at price below the level at which goods are being exported to India. This volume constitutes \*\*\*% in relation to total Indian demand. The above table shows that in the event of cessation of ADD, the subject goods which are presently exported to other countries are likely to be diverted to India.

**I. POST DISCLOSURE COMMENTS**

114. The Authority issued a disclosure statement on 22.04.2025 disclosing essential facts of the case and invited comments from all the interested parties. The post-disclosure submissions have been received from the interested parties. Majority of the issues raised are reiteration of issues raised earlier which have been addressed appropriately in the disclosure statement. Additional submissions to the extent deemed relevant have been examined as under:

**Submissions of other interested parties**

115. The injury margin for Trend Tone Imaging, Inc is negative. Similarly, the injury margin for all other exporters from Taiwan has also been found to be negative. The dumping margin and injury margin for Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd is also negative. In accordance with the consistent jurisprudence and the legal framework governing anti-dumping investigations, the imposition or continuation of anti-dumping duty is warranted only in cases where the domestic industry suffers material injury due to dumped imports.
116. The name of the producers/exporter be mentioned as “Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd.” and “HG Technologies Co., Ltd.” in the final finding.
117. The evidence of misdeclaration of relationship and imports of PUC by related party of the applicant domestic industry and erroneous determination of standing of the applicants have been disregarded.
118. Failure to define the scope of the product under consideration and adoption of an appropriate comparison methodology has resulted in an absurd determination of abnormally high dumping margin from Taiwan while the injury margin from the same country is negative.
119. Despite the fact that it is an admitted position of the applicant domestic industry that it does not suffer current material injury and their entire claim is based on likelihood of recurrence, the disclosure appears to be looking for material injury where there is none.
120. The claim of likelihood of recurrence of dumping and injury are based on surmises rather than any credible evidence and analysis thereof, while the volume and price information during the injury investigation would indicate that there is no likelihood of recurrence of dumping and injury on account of such imports in the near future.
121. There is no production of the subject goods in Malaysia and also no exports. Relevant information in this regard was submitted by the Respondent importer in their post oral hearing written submissions. This aspect has not been examined and countered by the Authority at all. Therefore, it is presumed that Malaysia is being excluded from the purview of this investigation.
122. The Authority must revisit the issues/determination as neither there is current dumping / injury nor any likelihood of recurrence of dumping / injury from the subject countries. The Authority should revoke the antidumping duty in the general public interest.

**Submissions by the Domestic Industry**

123. Domestic industry consists only of MSME companies, and is thankful to the Authority for recommending the duties and protecting the domestic industry from the dumped imports from the subject countries which led to improvement in the performance of the domestic industry, albeit in the initial years.
124. Significant capacity additions/investments were made by the domestic industry post imposition of the duties, which made domestic industry self-sufficient to cater to the total India demand i.e., there is no demand and supply gap. The industry has also added to the employment in the MSME sector which has been under pressure for quite some time on account of significant investments / capacity addition by the domestic industry.
125. The domestic industry filed the application in terms of Rule 23(1B) of the anti-dumping Rules for continued imposition of the existing anti-dumping duty.

126. The Authority has rightly taken the decision of considering the scope of the PUC same as that in the original investigation since this investigation is a sunset review investigation.
127. The applicants are eligible domestic industry as also considered by the Authority in para no. 21 of the disclosure statement. Without prejudice, it is submitted that the requirement of standing is not applicable in a sunset review investigation.
128. The Authority has rightly determined the normal value for Chinese producers in accordance with para 7 of Annexure I to the Rules as none of the producers from China PR have filed a supplementary questionnaire on market economy conditions.
129. It is requested not to grant individual duty to Trend Tone Imaging, Inc. considering the following facts:
- a) Trend Tone imagine Inc. (TTI) resorted to manipulation in the original investigation to get favourable results. This fact is categorically recorded in the Final Findings of the original investigation. In such a case, there is every likelihood that TTI manipulated their export prices to India to get favorable results since estimation of the period of investigation and period of injury is possible considering the timeframe provided under the law to file the application for the initiation of the sunset review investigation.
  - b) Authority granted residual duty to TTI in the original investigation. Grant of individual duty to a producer / exporter will promote malpractices.
  - c) The likely dumping and injury margin are not only positive but also significant for TTI.
  - d) Grant of individual duty to TTI would mean that Authority has considered it as a new shipper. It is submitted that Hon'ble Authority in plethora of investigations granted residual duty to a new shipper so as to make sure that there is no scope of manipulation.
130. Negative or low dumping / injury margin is not material in a sunset review investigation as evidenced from the following facts:
- a) Negative or low dumping / injury margin or improvement in the performance of the domestic industry does not imply that there is no likelihood of continuance or recurrence of dumping/injury, and therefore, duties are to be withdrawn. In a sunset review, the Authority is required to undertake a prospective analysis, to evaluate the likely effect of the expiry of duty on the volume and price of imports, and its consequent impact on the performance of the domestic industry in the event duties are withdrawn in terms of Section 9A (5) of the Customs Tariff Act.
  - b) In case outcome of sunset review investigation will be based on the magnitude of dumping / injury margin or performance of the domestic industry, the producers / exporter will start manipulating their export prices in a sunset review investigation since estimation of period of injury is possible.
  - c) In the present investigation, there is strong likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry if the duties are revoked as clearly evidenced from the disclosure statement.
  - d) There is material injury as well as strong likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry if the duties are revoked as also clearly evidenced from the disclosure statement.

**Examination by Authority**

131. The Authority has examined post disclosure statement comments by the domestic industry and other interested parties including re-iterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paragraphs of these final findings. The issues raised in the post disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below.
- a) Some of the interested parties have submitted that the injury margin for the cooperating producers is negative, and therefore, duty is not warranted. The Authority notes that the present investigation is a sunset review investigation. The Authority is required to undertake a prospective analysis, to evaluate the likely effect of the expiry of duty on the volume and price of imports, and its consequent impact on the performance of the domestic industry in the event duties are withdrawn in terms of Section 9A (5) of the Customs Tariff Act. The likelihood analysis indicates likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in event of cessation of anti-dumping duty.
  - b) With regard to the contention of the parties on the standing of the domestic industry, the Authority notes that it has examined in detail the issue raised by the interested parties regarding relationship with importer etc. in the relevant paragraphs of the present findings.
  - c) As regard to the submissions on the public interest, the Authority notes that it is required to assess the interest of public at large which includes the upstream industry, the domestic industry as well as the user industry. The authority notes that the continued presence of viable domestic suppliers would be in the public interest.
  - d) The interested parties have submitted that neither there is material injury nor likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority notes that these issues have been examined in detail in the foregoing paragraphs of the present findings. It is noted that the profitability of the domestic industry has declined in the POI as compared to the immediately preceding year. The Authority has examined the price attractiveness, third country dumping and injurious exports as per consistent methodology for such analysis. The Authority has referenced the transaction wise data provided by the cooperating producers/exporters to evaluate the threat of diversion of exports to India by considering export prices from subject countries to third countries which are lower than export price to India as well as NIP. The likelihood analysis indicates likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in event of cessation of anti-dumping duty.
  - e) With reference to individual rates of duty, the Authority considers that this being a sunset review, the key point to be examined here is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Thus, the Authority does not deem it fit to recommend a new anti-dumping duty for producer/exporter whose response was not accepted in the original investigation.
  - f) With regard to the submission made by certain importers that Malaysia may be excluded from the scope of the investigation as there is no production of the subject goods in that country and no exports, it has been noted that surplus capacity in Malaysia is substantial in terms of the Indian demand. Further, neither Government of Malaysia nor any of the cooperating producers / exporters have filed any submissions on this issue. In such a case, there is every likelihood of recurrence of dumping and injury in case duties are withdrawn.

- g) With regard to the request to change the name as “Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd.” and “HG Technologies Co., Ltd.” in the final finding, it is noted that both the companies are group companies. Accordingly, the names are correctly mentioned in the duty table.

## **J. INDIAN INDUSTRY INTEREST AND OTHER ISSUES**

### **Submissions of other interested parties**

132. The interested parties have made following submissions:

- It is not in public interest to impose antidumping duty on import of PUC from subject countries as domestic industry total production is not enough to meet demand of said product in India which is rising at a steep rate of 18% p.a.
- Revoke the current antidumping duty in the general public interest to allow import of quality products at competitive prices to enable the domestic users compete in domestic as well as global market more effectively.

### **Submissions by the Domestic Industry**

133. The domestic industry has submitted that the impact of the duty on the end-use product is negligible. Continuation of anti-dumping duties would be in the public interest and the discontinuance of anti-dumping duties would certainly lead to continuation and recurrence in even greater extent, of dumping and injury to the domestic industry. In case duties are not continued, the significant investment made by the domestic industry will be jeopardized and there will be a loss of employment.

### **Examination by Authority**

134. The Authority considered whether extension of ADD shall have adverse public interest. For the same, the Authority examined whether the extension of the anti-dumping duty on imports of the product under investigation would be against the larger public interest. This determination is based on consideration of information on record and interests of various parties, including domestic industry, importers, and consumers of the product.

135. The Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, consumers, and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide relevant information with respect to the present investigation, including the possible effects of the anti-dumping duties on their operations. The Authority sought information on, *inter-alia*, the interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries, ability of the consumers to switch sources, the effect of anti-dumping duties on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by the imposition of the antidumping duties.

136. It is noted that the purpose of anti-dumping measures, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the continuation of the anti-dumping duties might affect the price levels of the product under consideration as well as other downstream products manufactured by using the subject goods in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, the continuation of anti-dumping measures would protect the domestic industry

from low-priced imports from the subject countries and help maintain the wider availability of choices to the consumers of the product under consideration.

137. The Authority had prescribed an economic interest questionnaire which was sent to all interested parties to this review investigation. None of the interested parties have responded to the economic interest questionnaire.
138. It has also been noted that there is no demand and supply gap in the country. The Authority notes that the anti-dumping duties are not imposed to block imports, but to create a level playing field in the domestic market. The user industry of the PUC can continue to import at fair prices. The Authority notes that existence of a viable domestic industry is necessary for the user industry to avoid being excessively dependent on imports leading to high chances of supply chains disruptions.

## K. CONCLUSION

139. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, the Authority concludes that:
  - i. There is continued significant dumping of the subject goods from subject countries except Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd and the imports are likely to enter the Indian market at dumped prices in the event of expiry of duty.
  - ii. Though the performance of the domestic industry has improved till 2022-23 from the base year, its performance has suffered deterioration within the POI, and thus, the domestic industry remains vulnerable due to dumping of the subject goods from the subject countries. Therefore, there is likelihood of injury in the event of expiry of duty.
  - iii. The information on record shows likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury in case the anti-dumping duty in force is allowed to cease at this stage. The data analysis shows that significant volume of exports by the subject countries as well as the participating producers from the subject countries to the third countries is below the non-injurious price of the domestic industry, their export prices to India and domestic prices, indicating strong likelihood of diversion of exports of the subject goods from the countries to India if the existing anti-dumping measure ceases to exist.

## L. RECOMMENDATIONS

140. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers/users and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
141. Having concluded that there is positive evidence of likelihood of dumping and injury if the existing anti-dumping duties are allowed to cease, the Authority is of the view that the anti-dumping duty in force on the imports of the product under consideration from the subject countries is required to be continued further. Accordingly, the anti-dumping duties for producers from the subject countries are recommended as per the duty table below.

142. Under these circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend continuation of existing definitive anti-dumping duty imposed *vide* Notification no. 12/2021-Customs (ADD) dated 05<sup>th</sup> March, 2021. Therefore, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the duty table given below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods, as detailed in column 3 of the duty table from subject countries for a further period of five years.

### DUTY TABLE

S. N o	HS Code	Description of Goods*	Country of Origin	Country of Export	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	3707	Black Toner in Powder Form*	China PR	Any country including China PR	a) Handan Hanguang OA Toner Co., Ltd. b) HG Technologies Co., Ltd.	1167	MT	USD
2	3707	Black Toner in Powder Form*	China PR	Any country includin g China PR	Any producer other than at serial number 1	1458	MT	USD
3	3707	Black Toner in Powder Form*	Any country other than China PR, Malaysia & Taiwan	China PR	Any	1458	MT	USD
4	3707	Black Toner in Powder Form*	Malaysia	Any country including Malaysia	Any	1568	MT	USD
5	3707	Black Toner in Powder Form*	Any country other than Malaysia, China PR & Taiwan	Malaysia	Any	1568	MT	USD
6	3707	Black Toner in Powder Form*	Taiwan	Any country including Taiwan	Any	159	MT	USD
7	3707	Black Toner in Powder Form*	Any country other than Taiwan, China PR & Malaysia	Taiwan	Any	159	MT	USD

\*Black Toner in Powder Form excluding the following:

- i. Color Toner
- ii. MICR Toner (*Specialized Toner used for printing in Cheques*)
- iii. Toners imported for the use by Original Equipment Manufacturers of Printing Equipment.
- iv. Toner in Cartridges
- v. Toner in liquid form

**M. FURTHER PROCEDURE**

143. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

DARPAN JAIN, Designated Authority